राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 15
अंक : 20
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
शनिवार 20 दिसंबर 2025
मूल्य :2 /-

RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट

पेज 3 दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

पेज 4 नवजात की मौत के मामले में प्रशासन सख्त

पेज 6 विश्व कप की तैयारियों के लिए खुद को चुनौती देना जरूरी: वरुण

एपस्टीन सेक्स स्कैंडल में सबसे बड़ा खुलासा

लड़कियों के साथ पूल में नहाते दिखे क्लिंटन, माइकल जैक्सन की भी तस्वीरें

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी जांच के तहत शुक्रवार देर रात तीन लाख दस्तावेज जारी कर दिए हैं। शुरुआत में अमेरिका के पूर्व बिल क्लिंटन, पॉप सिंगर माइकल जैक्सन, हॉलीवुड एक्टर क्रिस टकर जैसे दिग्गजों की तस्वीरें सामने आई हैं। कुछ फोटोज में क्लिंटन लड़कियों के साथ पूल में नहाते और पार्टी करते नजर आ रहे हैं। ये सभी तस्वीरें 4 सेट

में जारी की गई हैं। इसके साथ ही वीडियो फुटेज और कॉल रिकॉर्ड भी जारी किया गया है।

इन खुलासों का असर कितना बड़ा होगा, यह अभी साफ नहीं है। वजह यह है कि दस्तावेजों की संख्या बहुत ज्यादा है और एपस्टीन से जुड़ी काफी तस्वीरें पहले भी सामने आ चुकी है। जस्टिस डिपार्टमेंट ने यह भी कहा है कि कुछ दस्तावेज अभी रोके गए हैं, क्योंकि कुछ जांचें चल रही हैं या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कारण हैं।

जेफ्री एपस्टीन एक फाइनेंसर और दोषी यौन अपराधी था, उसकी जेल में मौत हो गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 18 नवंबर को कानून पर दस्तखत कर एपस्टीन से जुड़े सभी दस्तावेजों को 30 दिन के भीतर जारी करने का आदेश दिया था।

एपस्टीन फाइल को चार हिस्सों में बांटा गया है...

1. कोर्ट रिकॉर्ड
2. जस्टिस डिपार्टमेंट की ओर से किए गए खुलासे
3. सूचना का अधिकार कानून यानी FOIA के तहत जारी दस्तावेज
4. कमेटी ऑन ओवरसाइट एंड गवर्नमेंट रिफॉर्म की ओर से किए गए खुलासे

इन रिकॉर्ड्स में 50 से ज्यादा कोर्ट केसों की लिस्ट है। इसमें एपस्टीन के खिलाफ चले संघीय आपराधिक मामले, फ्लोरिडा में दर्ज राज्य स्तर के केस और दीवानी मामले भी शामिल हैं। इनमें वर्जीनिया जिफ्रे द्वारा दायर किया गया सिविल मुकदमा भी है। हर केस के साथ एक अलग लिंक दिया गया है।

इन लिंक्स पर क्लिक करने पर उस केस से जुड़े पीडीएफ दस्तावेज खुलते हैं, जिनमें कोर्ट की फाइलें और अन्य कानूनी कागजात शामिल हैं। जेफ्री एपस्टीन एक यौन अपराधी था, उसकी जेल में मौत हो गई थी।

अब तक इन मशहूर हस्तियों की तस्वीरें आईं

- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प
- पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन
- पॉप स्टार माइकल जैक्सन
- प्रिंस एंड्रयू और उनकी पत्नी सारा फर्ग्यूसन
- अमेरिकी होस्ट ओप्रा विन्फ्रे
- हॉलीवुड एक्टर केविन स्पेसी और क्रिस टकर
- अरबपति रिचर्ड ब्रैसनन

संक्षिप्त खबरें

नेशनल हेराल्ड केस : ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ ईडी दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचा

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ दाखिल चार्जशीट को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। ईडी ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया गया था। ट्रायल कोर्ट ने 16 दिसंबर को कहा था कि ईडी की शिकायत एफआईआर पर आधारित नहीं है, इसलिए उस पर संज्ञान लेना कानून के अनुसार सही नहीं है। इस मामले में हाईकोर्ट में अगले हफ्ते सुनवाई हो सकती है।

ऑनलाइन गेम एवीएटर में 30 लाख हारा ठेकेदार, दी जान

भोपाल। भोपाल में एक ठेकेदार ने ऑनलाइन गेमिंग में भारी नुकसान के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसने ऑनलाइन गेम एवीएटर में करीब 30 लाख रुपए गंवाने का जिक्र सुसाइड नोट में किया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, शारदा नगर निवासी शिवान गुप्ता (32) सिविल कॉन्ट्रैक्टर था। गुरुवार रात उसने घर में फांसी लगा ली। शुक्रवार को घर की तलाशी के दौरान पुलिस को सुसाइड नोट मिला, जिसमें उसने लिखा कि उसने लोगों से उधार लेकर ऑनलाइन गेम खेला और सारी रकम हार गया। नुकसान के बाद लेनदारों के दबाव और मानसिक तनाव के चलते उसने यह कदम उठाया।

5 साल में मनरेगा के 4.43 करोड़ कार्ड हटे

सबसे ज्यादा बिहार में; कुल डिलीट कार्ड में 44 प्रतिशत बिहार-यूपी का हिस्सा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राज्यसभा में शुक्रवार को बताया कि पिछले पांच वर्षों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत देशभर में 4.43 करोड़ जॉब कार्ड हटाए गए हैं।

इसमें सबसे ज्यादा कार्ड बिहार के हटाए गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि कुल हटाए गए जॉब कार्ड में बिहार और उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 44 प्रतिशत है। यह जानकारी ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने शुक्रवार को राज्यसभा में सांसद तिरुचि शिवा के सवाल के लिखित जवाब में दी। मंत्री ने कहा कि जॉब कार्ड हटाने की प्रक्रिया नियमित रूप से की जाती है। इसका उद्देश्य फर्जी, डुप्लीकेट या गलत प्रविष्टियों वाले कार्ड हटाना है।

इसके अलावा जिन परिवारों ने स्थायी रूप से पलायन कर लिया है, जिन ग्राम पंचायतों का शहरीकरण हो चुका है या जिन परिवारों में जॉब कार्ड का एकमात्र सदस्य मृत्यु को प्राप्त हो चुका है, ऐसे मामलों में भी कार्ड डिलीट किए गए हैं।

मनरेगा अब 'वीबी-जी राम जी'

शीतकालीन सत्र में संसद से विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) बिल, 2025' पास हो गया। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे संसद में पेश किया था। ये बिल महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून को रिप्लेस करेगा। नए बिल में कहा गया है कि इसका उद्देश्य 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास का नया ढांचा तैयार करना है। इसके तहत काम के दिनों की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दी जाएगी।

25 जनवरी 2025 को एसओपी जारी की गई

सरकार ने बताया कि इस प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए 25 जनवरी 2025 को एक मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गई थी।

सरकार ने कहा कि अगर किसी भी तरह का कन्फ्यूजन होता है इन एसओपी को देखा जा सकता है।

एमपी-यूपी, बिहार, छत्तीसगढ़ में घने कोहरे का यलो अलर्ट

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़ समेत 8 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट है। यूपी के 34 जिलों में घना कोहरा छा सकता है। यहां 8 जिलों के स्कूलों की 20 दिसंबर तक छुट्टी की गई है। मध्य प्रदेश में भी मिनिमम टेम्प्रेटर में लगातार गिरावट आ रही है। शुक्रवार को शिवपुरी का तापमान 4.0 रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 7 दिन तक राज्य में तापमान में गिरावट रहेगी। सुबह-शाम घना कोहरा जा सकता है। दिल्ली में सर्दी और धंधु की वजह से शुक्रवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 79 डिपार्चर (2 अंतरराष्ट्रीय सहित) और 73 अराइवल (2 अंतरराष्ट्रीय सहित) फ्लाइट रद्द की गईं। इसके अलावा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर भी कई ट्रेनें देरी से चलीं।

भारत ने लगातार 8वीं टी-20 सीरीज जीती

साउथ अफ्रीका को 5वें मैच में 30 रन से हराया; तिलक-पंड्या की फिफ्टी; चक्रवर्ती को 4 विकेट

अहमदाबाद। भारत ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज 3-1 से जीत ली है। टीम ने शुक्रवार को खेले गए 5वें मैच में अफ्रीका को 30 रन से हराया। टीम इंडिया ने लगातार 8वीं सीरीज जीती है।

अहमदाबाद में 232 रन का टारगेट चेज रही साउथ अफ्रीका 20 ओवर में 8 विकेट पर 201 रन ही बना सकी। वरुण चक्रवर्ती ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट लिए। क्विंटन डी कॉक ने 35 बॉल पर 65 रन बनाए।

इससे पहले भारतीय टीम ने तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या के अर्धशतकों के सहारे 20 ओवर में 5 विकेट पर 231 रन का स्कोर बनाया। तिलक ने 42 बॉल पर 73 रन बनाए, जबकि पंड्या ने 25 बॉल पर 63 रन की पारी खेली। संजू सैमसन ने 37 और अभिषेक शर्मा ने 34 रन बनाए।

हार्दिक को प्लेयर ऑफ द मैच और वरुण को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

हैप्पी मॉर्निंग

लप्पू- मैं यहां नहीं रहूंगा! इतना छोटा सा कमरा
ना तो कोई खिड़की है और ना बाथरूम! मुझे मेरे पैसे वापस चाहिए
वेटर- लेकिन सर ये तो.....
पप्पू- नहीं-नहीं, मुझे पैसे वापस दे दो
वेटर- अबे गंवार ऊपर रूम में तो चल, यह तो लिफ्ट है

शायरी

राजनीति की इस दुनिया में,
दुश्मनी है तो स्वार्थ की।
सच्चे नेताओं के बीच तो
सिर्फ सेवा की मांग है।

अर्थसार

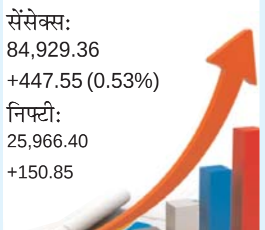

संसेक्स:
84,929.36
+447.55 (0.53%)
निफ्टी:
25,966.40
+150.85

मौसम

अधिकतम : 21 डिग्री से0
न्यूनतम : 07 डिग्री से0
सूर्योदय रविवार : 7 : 13
सूर्यास्त शनिवार : 5 : 24

तमिलनाडु में एसआईआर से 97 लाख वोटर के नाम कटे

गुजरात में 73 लाख नाम हटाए; राजस्थान-बंगाल में 1 करोड़ से ज्यादा नाम कट चुके

चेन्नई/गांधीनगर। चुनाव आयोग ने शुक्रवार शाम तमिलनाडु, गुजरात में कराए गए स्पेशल इंटेसिव रिवीजन की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की। तमिलनाडु में 97 लाख से ज्यादा नाम काटे गए हैं। स्झ्रकसे पहले राज्य में वोटर्स की संख्या 6.41 करोड़ थी। अब घटकर 5.43 करोड़ हो गई है।

राज्य में अब 2.66 करोड़ पुरुष, 2.77 करोड़ महिलाएं और 7,191 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। चेन्नई में सबसे ज्यादा 14.25 लाख वोटर्स के नाम हटाए गए।

पहले यहां 40.04 लाख वोटर्स थे अब 25.79 लाख रह गए हैं। कोयंबटूर में 65 लाख, डिंडीगुल में 23 लाख नाम काटे गए हैं।

गुजरात की जारी नई एसआईआर लिस्ट में 73.73 लाख से ज्यादा वोटर्स के नाम कम हुए हैं। राज्य में पहले

5.08 करोड़ से ज्यादा वोटर्स रजिस्टर्ड थे। अब घटकर 4.34 करोड़ रह गए हैं। अगर यदि किसी मतदाता का नाम ड्राफ्ट लिस्ट में नहीं है तो वह 18 जनवरी ऑब्जेक्शन उठा सकता है।

इसके अलावा पश्चिम बंगाल की नई मतदाता सूची जारी की गई है। कुल 58.20 लाख नाम काटे गए हैं। इससे पहले चुनाव आयोग ने 16 दिसंबर को पश्चिम बंगाल, राजस्थान, गोवा, लक्षद्वीप और पुडुचेरी की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की थी। राजस्थान में भी 44 लाख नाम काटे गए हैं। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 27 अक्टूबर को स्झ्रक की घोषणा के समय इन राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में 13.35 करोड़ मतदाता थे।

महुआ मोइत्रा के खिलाफ सीबीआई चार्जशीट दाखिल नहीं करेगी

नई दिल्ली। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में सीबीआई फिलहाल टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल नहीं करेगी। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को लोकपाल की ओर से चार्जशीट फाइल करने की मंजूरी को रद्द कर दिया है। यह मंजूरी 12 नवंबर को दी गई थी। जस्टिस अनिल क्षतरपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की बेंच ने कहा- हमारा मानना है कि लोकपाल ने इस मामले में गलती की है।

नागपुर में पानी की टंकी गिरी, 6 मजदूरों की मौत

4 अन्य घायल, स्ट्रक्चर कमजोर होने से हादसा हुआ, जांच के आदेश

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में शुक्रवार को फैक्ट्री में पानी की टंकी गिरने से 6 मजदूरों की मौत हो गई। 4 अन्य घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 9.30 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि MIDC बुटीबोरी इलाके में सोलर पैनल बनाने वाली फैक्ट्री अवाडा इलेक्ट्रो प्राइवेट लिमिटेड में टंकी मजदूरों पर गिरी। इसमें 10 मजदूर दब गए। इनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीन

अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा। 4 मजदूरों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। ये मजदूर पानी की टंकी के पास कंस्ट्रक्शन का काम कर रहे थे तभी टंकी ढह गई। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर मजदूरों को मलबे से बाहर निकाला।

प्रेशर की वजह से टंकी फटी

पुलिस ने आशंका जताई है कि टंकी का स्ट्रक्चर कमजोर होने और पानी के प्रेशर की वजह से हादसा हुआ। नागपुर रुरल की डिप्टी एसपी भाग्यश्री धीरबस्सी ने कहा, हमें सूचना मिली थी कि पानी के प्रेशर की वजह से बलास्ट हुआ है। 10 लोग हादसे की चपेट में आए है। मृतकों की बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए एम्स भेज दिया है। और 4 लोगों का इलाज चल रहा है।

तेलंगाना में 41 माओवादी कैडरों ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद। प्रतिबंधित सीपीआई संगठन को बड़ा झटका देते हुए 41 भूमिगत कैडरों ने तेलंगाना पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। इनमें कंपनी प्लाटून कमेटी और डिविजनल कमेटी स्तर के छह वरिष्ठ पदाधिकारी भी शामिल हैं। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी शिवधर रेड्डी ने जारी बयान में कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़ने की घोषणा करते हुए समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का फैसला किया है। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने पुलिस को 24 हथियार सौंपे, जिनमें एक इंसास एलएमजी, तीन एके-47 राइफल, पांच एसएलआर राइफल और विभिन्न कैलिबर के 733 जिंदा कारतूस शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, यह आत्मसमर्पण सीपीआई की संगठनात्मक ताकत, मनोबल और नेतृत्व की विश्वसनीयता में बड़ी गिरावट को दर्शाता है। कैडरों ने बताया कि संगठन का नेतृत्व उनकी सहमति के बिना उन्हें दूर-दराज और अपरिचित इलाकों में तैनात कर रहा था, जहां न तो भौगोलिक जानकारी थी और न ही स्थानीय समर्थन।

राहुल बोले-आरएसएस के लिए सच्चाई नहीं, शक्ति जरूरी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को बर्लिन में कहा कि आरएसएस प्रमुख खुले तौर पर कह रहे हैं कि सच्चाई का कोई महत्व नहीं है, शक्ति महत्वपूर्ण है। यही उनमें और हममें अंतर है। उन्होंने कहा कि हमारी पूरी संस्कृति सत्य पर आधारित है। आप किसी भी धर्म को देख लें, मूल रूप से वे यही कहते हैं कि सत्य का पालन करो। कांग्रेस, महात्मा गांधी और आप सभी, हम भारत के सत्य की रक्षा करते हैं। आरएसएस ऐसा नहीं करती। राहुल गांधी 5 दिन के जर्मनी दौरे पर हैं। आज उन्होंने ओवरसीज इंडियन कांग्रेस के कार्यक्रम कनेक्टिंग कल्चर्स में भारतीय समुदाय को संबोधित किया। इसके अलावा उन्होंने जर्मन थिंक-टैंक में शामिल नेताओं के साथ बातचीत की और हर्टी स्कूल में भी स्पीच दी। यहां उन्होंने तेजी से बदलते वैश्विक माहौल के बीच भारत की दिशा पर अपनी बात रखी।

बांग्लादेश हिंसा

मंदिर के बाहर नारेबाजी, छात्र नेता का शव पहुंचा तो फिर आगजनी; भारतीय सेना अलर्ट

बांग्लादेश हिंसा-बॉर्डर तक कट्टरपंथियों का मार्च

नई दिल्ली। बांग्लादेश में शेख हसीना के विरोधी नेता उस्मान हादी की मौत के विरोध में इंकलाब मंच और जमात के कट्टरपंथियों ने शुक्रवार को बेनापोल से भारत के बॉर्डर तक मार्च निकाला। उनका कहना था कि पूर्व पीएम शेख हसीना को बांग्लादेश को सौंपा जाए। जबकि चटोग्राम में चंद्रनाथ मंदिर के बाहर कट्टरपंथियों ने धार्मिक नारेबाजी की।

ढाका में प्रतिष्ठित ढाकेश्वरी मंदिर की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। ढाका के तोपखाना रोड पर स्थित शिल्पी गोष्ठी सांस्कृतिक केंद्र का भी कट्टरपंथियों

ने घेराव कर जमकर नारेबाजी की।

इस बीच, हादी का शव शुक्रवार शाम सिंगापुर से ढाका लाया गया। यूनुस सरकार ने शनिवार को राष्ट्रीय शोक का ऐलान किया है। हादी का अंतिम संस्कार शनिवार को होगा। इस बीच ढाका में आंदोलनकारी फिर हिंसक हो गए और उदिची संस्था के कार्यालय को जला दिया। ये संस्था कट्टरपंथियों के विरोध में काम करती है।

इधर भारतीय सेना भी एक्टिव हो गई है और बांग्लादेश के हालात पर नजर बनाए हुए है।

ईस्टर्न कमांड प्रमुख ले. जनरल आरसी तिवारी ने गुरुवार शाम भारत-बांग्लादेश सीमा का दौरा किया है।

हिंदू युवक की पीटकर हत्या,पेड़ पर लटकाकर जलाया

ढाका के नजदीक भालुका में धर्म का अपमान करने के आरोप में एक हिंदू युवक को पीट-पीटकर मार डाला। बीबीसी बांग्ला की रिपोर्ट के मुताबिक, युवक के शव को नग्न करके एक पेड़ से लटका कर आग लगा दी। मृतक की पहचान दीपू चंद्र दास के रूप में की गई है। पुलिस ने बताया कि यह घटना गुरुवार रात भालुका में हुई। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें लोग अल्लाह-हू-अकबर के नारे लगाते दिख रहे हैं।

हिजाब विवाद

ऑल इंडिया प्रोग्रेसिव विमेंस एसोसिएशन (एआईपीडब्ल्यूए) की सदस्यों ने पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जुड़े हिजाब विवाद के विरोध में प्रदर्शन किया।

संपादकीय

क्या बीजेपी सरकार का काम सिर्फ योजनाओं का नाम बदलना है?

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर वर्षों से यह आरोप लगता रहा है कि उसने शासन को नीतिगत सुधारों से अधिक ब्रांडिंग अभ्यास में बदल दिया है। विपक्ष, खासकर कांग्रेस, का दावा है कि मोदी सरकार ने यूपीए काल की कई कल्याणकारी योजनाओं के नाम बदलकर उन्हें नए आवरण में पेश किया और उनका श्रेय लेने की कोशिश की।

दिसंबर 2025 में संसद से पारित मनरेगा का नया संस्करण — VB-G RAM G (विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन) — इसी बहस का ताज़ा उदाहरण है। विपक्ष ने इसे महात्मा गांधी की विरासत पर हमला बताया, जबकि सरकार इसे सुधार और विस्तार का नाम दे रही है।

नाम बदले गए, नीति वही?

2014 के बाद से कई योजनाओं के नाम बदले गए, जिनमें प्रमुख उदाहरण हैं :

- इंदिरा आवास योजना ? प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)
- जेएनएनयूआरएम ? अमृत मिशन
- निर्मल भारत अभियान ? स्वच्छ भारत अभियान
- राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना ? दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना
- जन औषधि योजना ? प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना

2017 की एक फैक्ट-चेक रिपोर्ट के अनुसार, शशि थरूर के दावे में दम था कि मोदी सरकार की घोषित 23 योजनाओं में से 19 योजनाएँ पहले से मौजूद कार्यक्रमों का ही नया संस्करण थीं।

यानी सवाल सिर्फ नाम का नहीं है — क्या नीति, बजट और अधिकार भी बदले?

नाम बदलने की कीमत कौन चुकाता है?

विपक्ष का तर्क है कि हर रीब्रांडिंग के साथ:

- साइनबोर्ड बदले जाते हैं
- सरकारी स्टेशनरी और प्रचार सामग्री छपती है
- करोड़ों रुपये विज्ञापन में खर्च होते हैं

प्रियंका गांधी ने सीधा सवाल उठाया –

'महात्मा गांधी का नाम हटाने की क्या ज़रूरत थी?'

राहुल गांधी का आरोप है कि नया मनरेगा मॉडल डिमांड-ड्रिवन अधिकार को कमजोर कर, इसे कोटा-बेस्ड स्कीम में बदल देता है और राज्यों पर आर्थिक बोझ डालता है।

बीजेपी का बचाव – नाम नहीं, दिशा बदली

बीजेपी इन आरोपों को सिरे से खारिज करती है। उसका कहना है कि-

- स्वच्छ भारत में करोड़ों शौचालय बने
- उज्ज्वला योजना से महिलाओं को गैस कनेक्शन मिला
- नए मनरेगा मॉडल में 100 से बढ़ाकर 125 दिन काम और बेरोजगारी भत्ता प्रस्तावित है

सरकार यह भी याद दिलाती है कि यूपीए ने भी जवाहर रोजगार योजना को मनरेगा में बदला था।

इसके अलावा, मोदी सरकार ने कुछ पूरी तरह नई योजनाएँ भी शुरू कीं:

- आयुष्मान भारत
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
- मुद्रा योजना
- स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया
- डिजिटल इंडिया, भारत नेट

इन योजनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता कि कई लोगों को वास्तविक लाभ मिला है।

असल सवाल – ब्रांडिंग बनाम बदलाव

समस्या नाम बदलने की नहीं, प्राथमिकताओं की है।

जब :

- बेरोजगारी बढ़ रही हो
- महंगाई आम आदमी की कमर तोड़ रही हो
- किसान कर्ज़ में डूबा हो

तब योजनाओं के नाम बदलना विकास से ज़्यादा प्रचार प्रतीत होता है।

मनरेगा जैसे कार्यक्रम, जिसने ग्रामीण पलायन रोका और न्यूनतम सुरक्षा दी, यदि कमजोर होते हैं — तो नाम चाहे जितना आकर्षक हो, नुकसान गरीब को ही होगा।

निष्कर्ष

नाम बदलना अपने आप में न अपराध है, न उपलब्धि।

सवाल यह है कि क्या इससे ज़मीन पर जीवन बदला?

अगर बदलाव सिर्फ पोस्टर और स्लोगन तक सीमित है, तो जनता देर-सवेर समझ जाती है।

और अगर नीतियाँ सच में मज़बूत हुई हैं, तो उन्हें किसी नए नाम की ज़रूरत नहीं होती।

आखि़रकार, लोकतंत्र में फैसला सरकार नहीं — जनता करती है।

राम वी. सुतार के हाथों में आकर पत्थर बोल उठते थे

-ललित गर्ग-

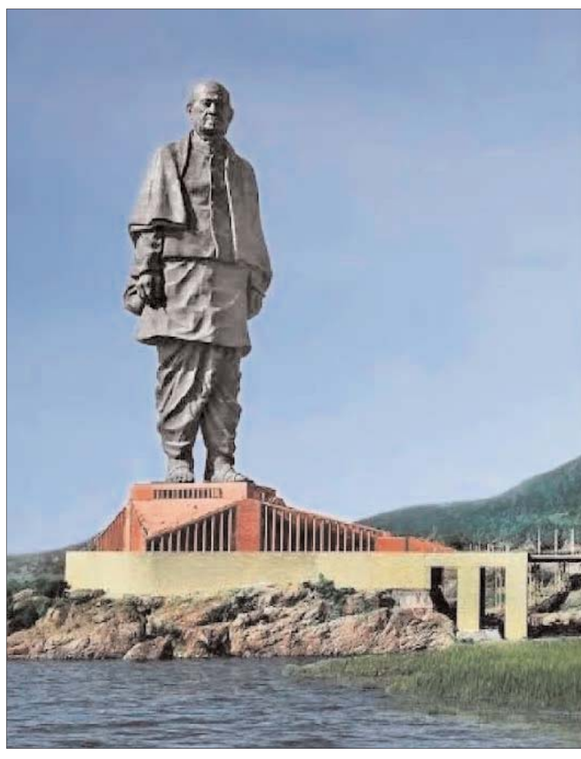

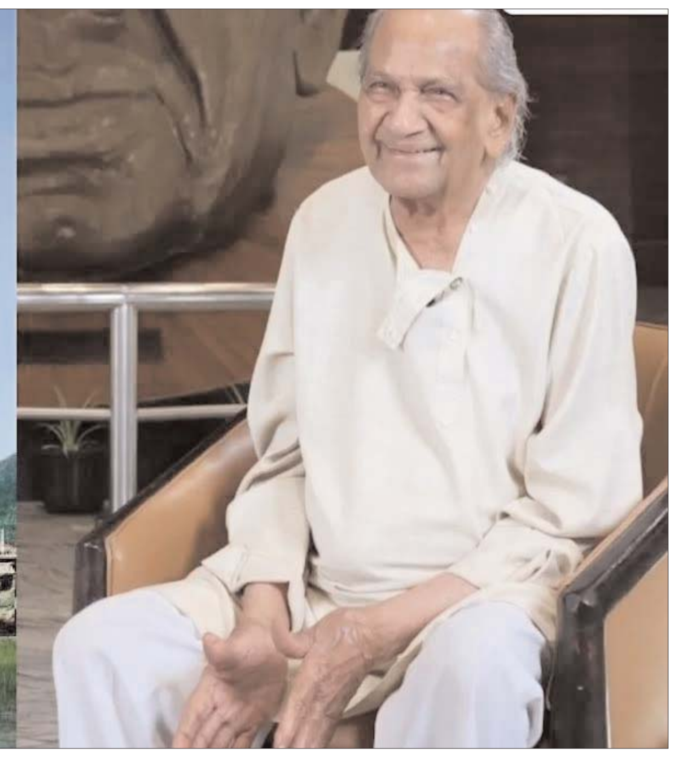

राम वी. सुतार का शतायु जीवन केवल वर्षों की गणना नहीं था, वह भारतीय मूर्ति-कला की सदियों लंबी साधना का सजीव विस्तार था। सौ वर्ष की उम्र में उनका जाना ऐसा है जैसे पत्थर बोलने वाली भाषा का कोई मौन हो जाना, जैसे हथौड़े और छैनी के बीच जन्म लेने वाली संवेदनाओं का विराम। वे उन विरले कलाकारों में थे जिनके हाथों में पत्थर, धातु और कांस्य केवल पदार्थ नहीं रहते थे, वे चेतना बन जाते थे। आकृतियां नहीं गढ़ी जाती थीं, जीवन प्रकट होता था। उनके स्पर्श से निर्जीव सजीव हो उठता था और शिल्प अपने भीतर मनुष्य की धड़कनें समेट लेता था। राम वी. सुतार केवल महान मूर्तिकार नहीं थे, वे एक दर्शन थे। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण था कि कला केवल सौंदर्य की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि मनुष्यता का विस्तार होती है। उन्होंने जब किसी महापुरुष की प्रतिमा गढ़ी, तो केवल चेहरे की रेखाएं नहीं उकेरीं, उस व्यक्तित्व के भीतर छिपे संघर्ष, संकल्प, करुणा और दृष्टि को आकार दिया। यही कारण है कि उनकी बनाई मूर्तियां देखने वाले को देखती हैं, मौन होकर भी संवाद करती हैं और समय की सीमाओं से परे जाकर पीढ़ियों को प्रेरित करती हैं।

स्टैचू ऑफ यूनिटी आज विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा के रूप में खड़ी है, पर उसकी ऊंचाई केवल फीट और मीटर में नहीं मापी जानी चाहिए। उसमें सरदार पटेल की लौह इच्छाशक्ति के साथ-साथ राम वी. सुतार की तपस्या, धैर्य और अंतर्दृष्टि समाहित है। यह प्रतिमा केवल एक राष्ट्रीय प्रतीक नहीं, बल्कि भारतीय मूर्ति-कला की सामर्थ्य का वैश्विक घोष है। संसद परिसर में स्थापित गांधी प्रतिमा हो या देश-विदेश में फैली अनगिनत मूर्तियां, हर जगह उनकी कला ने इतिहास को वर्तमान से जोड़ा है और वर्तमान को भविष्य के लिए अर्थवान बनाया है। उनके हाथों में पत्थर बोलने लगते थे, पर उनके हृदय में मनुष्य बोलता था। वे जानते थे कि किसी नेता, संत या विचारक की प्रतिमा बनाते समय केवल शारीरिक समानता पर्याप्त नहीं होती। वहां आत्मा की समानता चाहिए। इसलिए वे पहले उस व्यक्तित्व को पढ़ते थे, समझते थे, आत्मसात करते थे। उनकी साधना में अध्ययन, ध्यान और संवेदना का अद्भुत संगम था। शायद यही कारण था कि उनकी कारीगरी में बारीकी के साथ-साथ एक ऐसी जीवंतता थी जो दर्शक को भीतर तक छू लेती थी।

राम सुतार जी एक सौ एक साल के थे और उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे थे। उनका जन्म 19 फ़रवरी 1925 को महाराष्ट्र में धूलिया ज़िले के गोन्दुर गाँव में एक ग़रीब परिवार में हुआ। उनका पूरा नाम राम वनजी सुतार था। वे भारत के सुप्रसिद्ध शिल्पकार थे। उनके द्वारा बनाई गईं महात्मा गांधी की प्रतिमाएं अब तक विश्व के तीन सौ से अधिक शहरों में लग चुकी हैं। उनके कलात्मक एवं अनूठे शिल्प साधना को सम्मानित करते हुए भारत सरकार ने उन्हें 1999 में पद्मश्री और 2016 में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। अक्टूबर 2018 में, सुतार को 2016 के सांस्कृतिक सद्भाव के लिए टैगोर पुरस्कार मिला। उनके पिता वनजी हंसराज जाति व कर्म से बढ़ई थे। राम सुतार का विवाह 1952 में प्रमिला के साथ हुआ। जिनसे उन्हें 1957 में एकमात्र पुत्र अनिल राम सुतार हुआ, जो पेशे से वास्तुकार हैं परन्तु अब वह भी नोएडा स्थित अपने पिता के स्टूडियो व कार्यशाला की देखरेख का कार्य करते हैं।

राम वी. सुतार का जीवन सादगी का पर्याय था। इतनी बड़ी उपलब्धियों के बावजूद उनमें कोई दर्प नहीं था। वे शिल्प के साधक थे, शोर के नहीं। उनका कार्य बोलता था, वे स्वयं मौन में रहकर भी सब कुछ कह जाते थे। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सच्ची महानता प्रचार की मोहताज नहीं होती। वह अपने आप में पूर्ण होती है और समय उसे पहचान ही लेता है। उनकी कला में भारतीय परंपरा की गहरी जड़ें थीं, पर दृष्टि पूरी तरह आधुनिक और वैश्विक थी। वे अतीत से प्रेरणा लेते थे, वर्तमान की ज़रूरतों को समझते थे और भविष्य के लिए रूप गढ़ते थे। यही कारण है कि उनकी मूर्तियां किसी एक काल में बंद नहीं होतीं। वे हर युग में प्रासंगिक लगती हैं। उनमें इतिहास की गरिमा है, वर्तमान की चेतना है और भविष्य की उम्मीद भी।

राम सुतार अपने गुरु रामकृष्ण जोशी से प्रेरणा लेकर मुम्बई गये, जहाँ उन्होंने जे0जे0स्कूल ऑफ़ आर्ट में दाखिला लिया। 1953 में इसी स्कूल से मॉडलिंग में उन्होंने सर्वोच्च अंक अर्जित करते हुए मेयो गोल्ड मेडल हासिल किया। मॉडलर के रूप में औरंगाबाद के आर्कियोलोजी विभाग में रहते हुए राम सुतार ने 1954 से 1958 तक अजन्ता व एलोरा की प्राचीन गुफ़ाओं में मूर्तियों के पुनर्स्थापन का कार्य किया। 1958-1959 में वह सूचना व प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के दृश्य श्रव्य विभाग में तकनीकी सहायक भी रहे। 1959 में उन्होंने अपनी मर्ज़ी से सरकारी नौकरी त्याग दी और पेशेवर मूर्तिकार बन गये। इन दिनों वह अपने परिवार के साथ नोएडा में निवास करते थे। राम सुतार ने वैसे तो बहुत-सी मूर्तियाँ बनायीं है, किन्तु उनमें से कुछ उल्लेखनीय मूर्तियों में 45 फुट ऊँची चम्बल देवी की मूर्ति गंगासागर बाँध, 17 फुट ऊँची मोहनदास कर्मचन्द गाँधी की मूर्ति गाँधीनगर, गुजरात, 21 फुट ऊँची महाराजा रणजीत सिंह की मूर्ति अमृतसर, 18 फुट ऊँची सरदार बल्लभ भाई पटेल की मूर्ति संसद भवन, नई दिल्ली, 9 फुट ऊँची भीमराव अम्बेडकर की मूर्ति जम्मू, भारत के राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा की आवक्ष प्रतिमा, ब्रह्म सरोवर में कृष्ण अर्जुन रथ स्मारक कांस्य प्रतिमा आदि हैं। गुजरात में स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल की विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' राम सुतार के अद्भुत कला-कौशल का नमूना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत ने एक ऐसे कलाकार को खो दिया है जिसने देश की सांस्कृतिक पहचान को विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें भारतीय कला परंपरा का स्तंभ बताते हुए कहा कि उनकी बनाई मूर्तियां आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र के महापुरुषों से जोड़ती रहेंगी। अनेक राजनेताओं, कलाकारों और विचारकों ने भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए स्वीकार किया कि राम वी. सुतार का जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का अवसान है। पर शायद स्वयं राम वी. सुतार इस तरह की श्रद्धांजलियों से अधिक अपने काम में विश्वास रखते थे। उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान यही था कि कोई उनकी बनाई मूर्ति के सामने खड़ा होकर कुछ क्षण मौन में डूब जाए, कुछ सोचने लगे, कुछ महसूस करने लगे। उन्होंने जीवन को भी उतना ही जीवंत बनाया जितना अपनी कला को। उनका व्यक्तित्व सहज, सरल और आत्मीय था। वे जहां भी गए, वहां प्रेरणा का एक शांत स्रोत बन गए।

राम सुतार का जीवन शिल्प एवं कला की पाठशाला था, जिसमें उन्होंने यह भी सिखाया कि कला केवल तकनीक नहीं, साधना है। छैनी चलाने से पहले मन को तराशना पड़ता है। दृष्टि को निर्मल करना पड़ता है। शायद यही कारण था कि उनकी शतायु यात्रा के अंतिम क्षण तक उनकी सृजनात्मक ऊर्जा बनी रही। उम्र उनके लिए केवल एक संख्या थी, कला के प्रति उनकी जिजीविषा कभी वृद्ध नहीं हुई। आज जब हम उन्हें विदा कर रहे हैं, तो यह विदाई वास्तव में विदाई नहीं है। वे अपनी मूर्तियों में, अपने शिल्प में, अपनी संवेदनाओं में सदा उपस्थित रहेंगे। जब भी संसद परिसर में गांधी की प्रतिमा के सामने कोई सिर झुकाएगा, जब भी स्टैचू ऑफ यूनिटी के साये में कोई राष्ट्र की एकता को महसूस करेगा, राम वी. सुतार वहां होंगे। पत्थर के भीतर धड़कते हृदय की तरह, मौन में बोलती चेतना की तरह। उनका जीवन इस बात की साक्षी है कि एक साधारण मनुष्य भी अपनी साधना, संकल्प और संवेदना के बल पर महामानव बन सकता है। उन्होंने पत्थर को जीवन दिया, पर उससे भी बड़ा कार्य उन्होंने यह किया कि जीवन को अर्थ दिया। भारतीय मूर्ति-कला के इस शीर्ष पुरुष को विनम्र श्रद्धांजलि। उनका जाना हमें शून्य नहीं देता, बल्कि एक विराट उत्तरदायित्व सौंपता है कि हम कला, संस्कृति और मनुष्यता के इस दीप को बुझने न दें।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3745

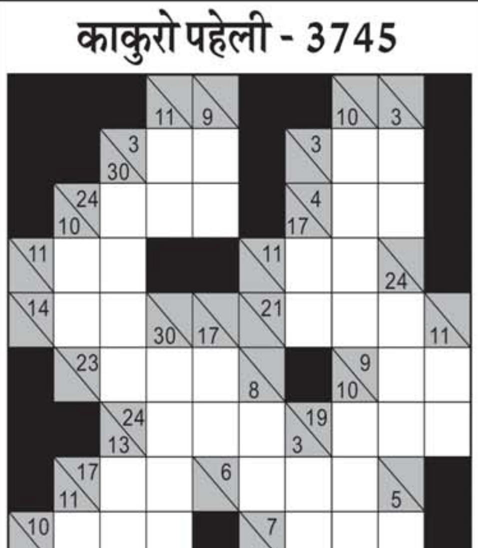

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3744 का हल

हंसी के फूव्वारें

दो बेवकूफ एक नाव में यात्रा कर रहे थे. अचानक नाव में एक छेद हो गया. जब नाव में पानी भरने लगा तो एक बेवकूफ ने चिन्तित होते हुए कहा-'नाव में पानी भर रहा है.'

'लगता है कोई छेद हो गया है.' दूसरा बेवकूफ बोला.

'फिर ?'

'एक छेद और कर देते हैं. एक छेद से पानी आ रहा है, दूसरे छेद से निकल जायेगा.' दूसरे बेवकूफ ने सुझाव दिया तो पहले बेवकूफ ने सिर हिलाकर उसकी बात का अनुमोदन कर दिया.

□ □ □

एक भिखारी ने एक बार लाटरी का टिकट खरीद लिया. टिकट खरीदने के बाद वह उछलने-कूदने लगा. अन्त में वह घर पहुंचकर अपनी घरवाली से बोला-'मैंने लाटरी का टिकट खरीद लिया है. अब हम बहुत जल्दी लखपति बनने वाले हैं.'

'ओह!'

घरवाली करवट बदलते हुए बोली-'यह कितनी अच्छी बात है. फिर तो हम कार में बैठकर भीख मांगा करेंगे!'

□ □ □

एक अभिनेत्री को अपना पासपोर्ट बनवाना था. उसे एक फार्म भरने को दिया गया. उस फार्म में एक प्रश्न यह भी था-'आप विवाहित हैं, अविवाहित हैं या तलाकशुदा ?'

अभिनेत्री ने तुरन्त जवाब लिखा-'तीनों !'

फिल्म वर्ग पहेली- 3745

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3744

सूडोकु - 3745

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3744 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 3745

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली -3744 का हल

दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

पुलिस ने बम स्कवॉयड बुलाकर कैंपस की तलाशी ली, कोई संदिग्ध सामान नहीं मिला

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा के दो प्राइवेट स्कूलों को शुक्रवार को सुबह बम से उड़ाने की धमकी वाला एक ई-मेल मिला। स्कूल प्रशासन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस फौरन बम स्कवॉयड टीम को लेकर स्कूल पहुंची। स्कूल में छुट्टी कर दी गई। स्टाफ को बाहर करके परिसर की तलाशी ली। करीब एक घंटे तक ये सर्च ऑपरेशन चला। मौके से कोई संदिग्ध सामान नहीं मिला। एहतियातन दोनों स्कूलों में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती कर दी गई है। पुलिस अब मेल भेजने वाले का पता लगाने में जुटी है।

जॉइंट सीपी राजीव मिश्रा ने बताया- कल सुबह करीब 10:15 बजे शिव नादर और एमिटी स्कूल से फोन आया था। जिसमें बताया गया कि स्कूल को आज मेल पर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूचना मिलते ही बम निरोधी दस्ते के साथ मौके पर पहुंचे। वहां पर सर्च ऑपरेशन चलाया। क्लास रूम, लाइब्रेरी से लेकर पार्किंग तक की तलाशी ली गई लेकिन मौके से कोई संदिग्ध सामग्री नहीं मिली। शुरुआती जांच में मेल फर्जी पाया गया।

डर का माहौल बनाने के लिए शरारती तत्वों ने भेजा मेल

जॉइंट सीपी के अनुसार- फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है। ई-मेल किसने और कहां से भेजा है। इसका पता लगाया जा रहा है। अंदेशा है कि किसी शरारती तत्व ने डर का माहौल बनाने के मकसद से ये मेल भेजा होगा। फ़िलहाल इसकी पड़ताल की जा रही है।

नोएडा में 20 मिनट तक लिफ्ट में फंसी दो महिलाएं

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की आम्रपाली गोल्फ होम्स एंड किंग्स वुड सोसायटी में गुरुवार को एक लिफ्ट में दो महिलाएं करीब 20 मिनट तक फंसी रहीं। ये महिलाएं नाइट शिफ्ट के लिए ऑफिस जा रही थीं। जे वन टावर में 19वें फ्लोर से पार्किंग एरिया में जाते समय लिफ्ट को अचानक झटका लगा और वह दो फ्लोर के बीच अटक गई। लिफ्ट की लाइट भी बंद हो गई और डिस्प्ले स्क्रीन भी काम नहीं कर रही थी। महिलाओं ने कई बार सिक्योरिटी अलार्म बजाया और मदद के लिए आवाज लगाई, लेकिन कोई नहीं पहुंचा। काफी मशक्कत के बाद महिलाओं ने लिफ्ट का गेट थोड़ा खींचा, जिससे उन्हें फोन का सिग्नल मिला। इसके बाद उन्होंने अपने परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने तुरंत मेंटेनेंस टीम को जानकारी दी, जिसके बाद लिफ्ट को दोबारा शुरू कर महिलाओं को बाहर निकाला गया। पीड़ित महिलाओं में से एक, हरप्रीत, जो एक आईटी कंपनी में कार्यरत हैं, ने बताया कि पिछले महीने इसी लिफ्ट में उनका बेटा भी एक घंटे तक फंसा रहा था। निवासियों का आरोप है कि सोसायटी में लिफ्ट खराब होने की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं, लेकिन एसोसिएशन ऑफ अपार्टमेंट ओनर्स और प्रबंधन इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

गौड़ सिटी सोसाइटी के लोग मूलभूत सुविधाओं से जूझ रहे

बिल्डर पर मनमानी का आरोप, कोर्ट जाने की चेतावनी

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र स्थित गौड़ सिटी सोसाइटी के निवासी मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रहे हैं। निवासियों ने बिल्डर पर मनमानी का आरोप लगाया है।

अपनी मांगों को लेकर शुक्रवार को सोसाइटी के लोगों ने एक बैठक की।

बैठक में निवासियों ने बताया कि बिल्डर उनसे अनावश्यक रखरखाव शुल्क वसूल रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बिल्डर रेरा और कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं कर रहा है।

बिल्डर प्रबंधन कॉन्ट्रैक्शन पेनल्टी के नाम पर लाखों रुपये की मांग कर रहा है। पेनल्टी का भुगतान न करने पर बायर्स को एनओसी और बिजली कनेक्शन नहीं दिए जा रहे हैं। सोसाइटी में जगह-जगह गंदगी फैली हुई है। कई स्थानों पर सीवर का पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बह रहा है।

सड़कें टूटी हुई हैं, नालियों का निर्माण नहीं हुआ है और पाइपलाइन जैसे आवश्यक कार्य भी अधूरे पड़े हैं। निवासियों को बिजली, पानी, सड़क और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है, लेकिन बिल्डर प्रबंधन उनकी समस्याओं को सुनने या उनका समाधान करने को तैयार नहीं है।

बायर्स ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो वे बिल्डर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए कोर्ट का रुख करेंगे।

ग्रेटर नोएडा में दो दोस्तों पर हमला

जेवर। ग्रेटर नोएडा में पुरानी रंजिश के चलते दो दोस्तों पर जानलेवा हमला किया गया। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर खुर्द गांव निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। शाहपुर खुर्द गांव निवासी अशोक ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार को वह अपने एक दोस्त के साथ बाइक पर मंडपा गांव गए थे। गांव में पहुंचने पर पड़ोसी गांव चिन्डावली के भौपाल, प्रमोद, प्रदीप और दीपक ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में दोनों दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि यह हमला पुरानी रंजिश के कारण किया गया। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

यमुना सिटी में जनवरी से जमीन खरीद शुरू

लिंक एक्सप्रेसवे और नई सड़कों से कनेक्टिविटी होगी मजबूत

गौतम बुद्ध नगर। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण यमुना सिटी और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए जनवरी से जमीन खरीदने की प्रक्रिया शुरू करेगा। यह जमीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर और विभिन्न एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाले प्रस्तावित लिंक एक्सप्रेसवे और नए सड़क मार्गों के लिए अधिग्रहित की जाएगी। जमीन किसानों की आपसी सहमति से ली जाएगी।

प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार, यमुना सिटी में 21 किलोमीटर लंबे सेक्टर रोड नेटवर्क के निर्माण के लिए 16 गांवों की जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। यह नेटवर्क यमुना सिटी को यमुना एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से

जोड़ेगा। इससे औद्योगिक सेक्टर, प्रस्तावित फिल्म सिटी और जेवर एयरपोर्ट तक पहुंच आसान होगी।

प्रस्तावित गंगा एक्सप्रेसवे की कुल लंबाई लगभग 74 किलोमीटर होगी, जिसमें से करीब 20 किलोमीटर हिस्सा यमुना सिटी क्षेत्र से गुजरेगा। इस परियोजना के लिए लगभग 740 एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी। जमीन खरीद और निर्माण पर करीब 1200 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। जमीन अधिग्रहण पूरा होते ही निर्माण कार्य तेजी से शुरू किया जाएगा।

जेवर एयरपोर्ट के चालू होने के बाद ग्रेटर नोएडा और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए नए एक्सेस रोड, फ्लाईओवर और अंडरपास बनाने की योजना है।

इसके लिए स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के विशेषज्ञों से अध्ययन कराया जाएगा, ताकि भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर सड़कें विकसित की जा सकें। प्राधिकरण यह भी तय करेगा कि एयरपोर्ट जाने के लिए कौन-सी सड़कें मुख्य मार्ग होंगी, जिससे शहर के अंदर ट्रैफिक जाम की समस्या न बढ़े।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच हिंडन नदी पर नई सड़क का निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, यह सड़क अप्रैल तक तैयार हो सकती है। इसके पूरा होने से दोनों शहरों के बीच यात्रा आसान होगी, दूरी कम होगी और लोगों को जाम से राहत मिलेगी।

रैन बसेरों में अब फर्श पर नहीं सोना पड़ेगा

नोएडा में डीएम के निरीक्षण के बाद लगाए गए फोल्डिंग बेड

गौतम बुद्ध नगर। गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम के रैन बसेरों के औचक निरीक्षण के बाद महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले हैं। अब इन रैन बसेरों में फोल्डिंग और लकड़ी के बेड लगा दिए गए हैं, जिससे वहां आने वाले लोगों को फर्श पर नहीं सोना पड़ेगा।

बुधवार रात को जिलाधिकारी मेधा रूपम ने ग्रेटर नोएडा में बने रैन बसेरों का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने सेक्टर डेल्टा 2, परी चौक और क्क्ष स्थित रैन बसेरों का दौरा किया और वहां ठहरे लोगों से बातचीत भी की।

निरीक्षण के दौरान, डीएम ने विश्राम करने वालों के लिए फर्श पर बिछाए गए बिस्तरों के स्थान पर बेड लगाने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों के बाद, गुरुवार रात तक सेक्टर डेल्टा 2

सामुदायिक केंद्र, परी चौक रैन बसेरा और पी3 सामुदायिक केंद्र सहित अन्य स्थानों पर फोल्डिंग तथा लकड़ी के बेड बिछा दिए गए। इसके अतिरिक्त, पानी की समुचित व्यवस्था भी की गई है।

प्रशासन की ओर से बताया गया है कि आवश्यकतानुसार अन्य जगहों पर भी रैन बसेरे बनाए जाएंगे, ताकि किसी भी निराश्रित व्यक्ति को खुले आसमान के नीचे न सोना पड़े। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि जो भी व्यक्ति इन रैन बसेरों में रात गुजारना चाहते हैं, वे निशुल्क आकर यहां ठहर सकते हैं।

लिफ्ट का रखरखाव न होने से परेशान लोग

ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सुपरटेक इको विलेज-1 सोसाइटी में लिफ्ट का रखरखाव ठीक से न होने के कारण लोग परेशान हैं। शिकायत करने पर भी कोई सुनवाई नहीं हो रही। सोसाइटी में रहने वाले संजय शर्मा ने बताया कि परिसर में करीब 6000 से अधिक परिवार रहते हैं। परिसर में बने किसी न किसी टावर में आए दिन लिफ्ट खराब रहती है। ऐसे में लोगों को सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ता है। तीन दिन पहले सोसाइटी के एक टावर में लिफ्ट खराब हो गई थी। लोगों को करीब आधे घंटे रिसेप्शन पर बैठकर लिफ्ट के ठीक होने का इंतजार करना पड़ा इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। सोसाइटी में रहने वाली रंजना ने बताया कि प्रबंधन से शिकायत करने पर भी कोई समाधान नहीं किया जाता।

आरक्षियों से शस्त्र प्रशिक्षण से संबंधी सवाल पूछे

पुलिस लाइंस में सैनिक सम्मेलन का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर स्थित पुलिस लाइंस में शुक्रवार को सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण की प्रगति की प्रतिक्रिया ली। शस्त्र प्रशिक्षण से संबंधित सवाल पूछे और मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षण के अंतर्गत आंतरिक और बाह्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने रिक्रूट आरक्षियों से सीधे संवाद स्थापित कर उनके प्रशिक्षण स्तर का आकलन किया। पढ़ाए जा रहे विषयों के संबंध में प्रश्न पूछकर उनकी समझ को परखा।

इसके अतिरिक्त रिक्रूट आरक्षियों के शारीरिक औरमानसिक स्वास्थ्य, रहन-सहन औरप्रशिक्षण अवधि के दौरान उपलब्ध सुविधाओं के विषय में भी जानकारी प्राप्त की।

रिक्रूट आरक्षियों से उनकी संभावित समस्याओं के बारे में भी पूछा गय। प्रशिक्षण के दौरान बैरक, मेस, इंडोर आउटडोर की व्यवस्थाओं को संतोषजनक बताया गया। अंत में पुलिस आयुक्त द्वारा रिक्रूट आरक्षियों को शस्त्र अभ्यास पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया।

शस्त्र प्रशिक्षण से संबंधित पूछे गये प्रश्नों को सही उत्तर देने पर रिक्रूट आरक्षी सुरजीत, राजेश कुमार और रवि कुमार को नकद पुरस्कार दिया गया।

नोएडा पुलिस ने साइबर ठगी का आरोपी पकड़ा

फर्जी शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 3 करोड़ की धोखाधड़ी की

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा की साइबर क्राइम पुलिस टीम ने फर्जी शेयर मार्केट प्लेटफॉर्म में निवेश कर लाभ कमाने के नाम पर की गई 3 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी साइबर थाना नोएडा द्वारा संकलित सूचना के आधार पर की गई।

पुलिस ने इस मामले में एक अन्य आरोपी आमेन्द्र शाक्य, जो कि एक खाताधारक है, को जिला बदायूं से गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 3 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के संबंध में की गई है।

दरअसल, पीड़ित ने 20 नवंबर को थाना साइबर क्राइम नोएडा में एक शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें बताया गया था कि एक महिला ने फेसबुक के माध्यम से पीड़ित से दोस्ती की और विश्वास कायम किया। इसके बाद उसने पीड़ित को एक फर्जी प्लेटफॉर्म पर निवेश कर कम समय में अधिक लाभ कमाने का लालच दिया।

पीड़ित ने विभिन्न खातों में 3 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए, जिसके बाद धोखाधड़ी का पता चला। पुलिस ने संदिग्ध खातों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें फ्रीज करा दिया है। इस मामले में पहले भी दो आरोपी तेजपाल और

रूपेन्द्र को गिरफ्तार किया जा चुका है।

आरोपी आमेन्द्र शाक्य ने बताया कि उसके पड़ोसी गांव का तेजपाल, जिसका संपर्क मुंबई स्थित कुछ लोगों से है, करंट खाता उपलब्ध कराने के बदले कमीशन देता था। तेजपाल ने उसे बताया कि वह अपने खाते में आई धनराशि के बदले अच्छी कमाई कर सकता है। इस लालच में आकर शाक्य ने अपने कागजात जीएसटी फर्म बनवाने के लिए तेजपाल को दे दिए।

तेजपाल ने शाक्य की फर्म से संबंधित कागजात बनवाए, जिनके द्वारा शाक्य ने बैंक ऑफ बड़ौदा में खाता खुलवाया। इसके बाद वह खाता लेकर तेजपाल के दोस्त रूपेन्द्र के साथ मुंबई चला गया। खाता खोलने के लिए उसे 50,000 रुपये दिए गए। वह मुंबई में 7 दिन तक रहा, जिसके बाद उसे 50,000 रुपये और दिए गए।

नोएडा में रिटायर्ड रेलवे इंजीनियर डिजिटल अरेस्ट

मनी लॉन्ड्रिंग में फंसाने का डर दिखाकर 12 लाख ठगे, गहने गिरवी रखकर दिए पैसे

नोएडा। रेलवे से सेवानिवृत्त इंजीनियर को साइबर अपराधियों ने डिजिटल अरेस्ट करके 12 लाख रुपए ठग लिए।

जालसाजों ने पीड़ित को मनी लान्ड्रिंग केस में शामिल होने का भय दिखाकर ठगी की। पीड़ित ने साइबर अपराध थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस जांच में जुटी है।

सेक्टर-78 स्थित द हाइड पार्क सोसाइटी में रहने वाले रामसेवक तोमर ने पुलिस को बताया कि वह रेलवे में इंजीनियर के पद पर थे।

पत्नी का कुछ समय पूर्व देहांत हो गया था। बच्चे दिल्ली-एनसीआर से बाहर नौकरी करते हैं। 29 नवंबर की सुबह करीब साढ़े 10 बजे उनके वॉट्सऐप नंबर पर वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने स्वयं का नाम प्रदीप सावंत बताया है।

उसने कहा कि वह दिल्ली स्थित क्राइम ब्रांच के मुख्यालय में जांच अधिकारी के पद पर है। उसने पीड़ित को बताया कि उनके आधार कार्ड का प्रयोग कर दिल्ली स्थित केनरा बैंक की शाखा में खाता खोला गया है। खाते पर डेबिट कार्ड भी जारी है। खाते का प्रयोग नरेश गोयल मनी लांड्रिंग केस में किया गया है।

इस अपराध में रामसेवक तोमर की भूमिका भी संदिग्ध होने का दावा किया। उसके बाद कथित अधिकारी ने वरिष्ठ अधिकारी से बात कराई।

उसने अपना नाम विजय कुमार खन्ना बताया। उसने वीडियो कॉल किया। उसमें वह पुलिस यूनिफॉर्म पहने हुए बैठा था। आरोपी ने कुछ दस्तावेज भी वॉट्सऐप पर भेजे। इसके बाद एक दिसंबर को सीबीआई कोर्ट में बयान दर्ज के नाम पर वीडियो कॉल किया।

जहां एक व्यक्ति जज की वेशभूषा में बैठा हुआ था। उसने आदेश दिया कि शिकायतकर्ता के पास जो भी फंड है उसे सीक्रेट सुपरविजन अकाउंट में ट्रांसफर किया जाए।

गहने गिरवी रखकर लिए 10 लाख

यह सुनकर शिकायतकर्ता भयभीत हो गए। उस कथित पुलिस अधिकारी द्वारा तत्काल दो लाख रुपए गणेश जनार्दन कापसे नामक व्यक्ति के बैंक खाते में ट्रांसफर करने के लिए कहा। यह खाता मुंबई स्थित सिटी यूनियन बैंक में खुला हुआ है। इसके बाद आरोपियों ने जेवरात पर ऋण लेकर रकम जमा करने के लिए कहा। पीड़ित ने चार दिसंबर को जेवरात पर 10 लाख रुपए ऋण लेकर जमा करा दिए।

भूखंड आवंटन के बाद रजिस्ट्री के लिए भटक रहे

ग्रेटर नोएडा। यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) ने भूखंड आवंटन के बाद रजिस्ट्री न कराने वाले 130 आवंटियों पर कार्रवाई की तैयारी की है। वहीं, कई आवंटी आवंटन के पांच वर्ष बाद भी रजिस्ट्री के लिए भटक रहे। कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जिनमें आवंटी रजिस्ट्री कराना चाहते हैं, लेकिन प्राधिकरण स्तर पर प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही। ऐसा ही एक मामला मेटालिक इम्प्रेसंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का है। यीडा ने जनवरी 2020 में सेक्टर-33 में कंपनी को औद्योगिक प्लॉट संख्या 107 आवंटित किया था। आरोप है कि तमाम प्रयासों के बावजूद कंपनी को भूखंड पर कब्जा नहीं दिया गया जबकि, कंपनी की ग्रेनो में पहले से औद्योगिक इकाई संचालित है। कंपनी का कहना है कि इस देरी के कारण उसका नया प्रोजेक्ट काफी पीछे चला गया है। उसे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। ऐसे एक या दो नहीं, बल्कि कई मामले हैं। यीडा के ओएसडी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है।

जेवर में जमीन बेचने के नाम पर ठगी

जेवर। ग्रेटर नोएडा के अमरपुर गांव में जमीन देने के बहाने एक व्यक्ति से करीब 72 लाख रुपये की ठगी की गई है। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने गुरुवार देर रात रिपोर्ट दर्ज की। फरीदाबाद निवासी पीड़ित की पत्नी सत्यापाली ने पुलिस को शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि उनके पड़ोस में सूरजभान और शिवकुमार रहते हैं, जिनकी अमरपुर गांव में जमीन है। सत्यापाली के पति लीले ने शिवचरन की जमीन खरीदने के लिए 16 जुलाई 2014 को सूरजभान और शिवकुमार से बात की थी। करीब 40 लाख रुपये में सौदा तय हुआ था और लीले ने उसी समय यह रकम आरोपियों को दे दी थी कुछ दिनों बाद आरोपियों ने रजिस्टर एग्रीमेंट के बहाने 30 लाख रुपये और ले लिए। इसके बाद भी आरोपियों ने 2 लाख रुपये अतिरिक्त लेकर जमीन का बैनामा नहीं किया। साल 2017 में पीड़ित को पता चला कि आरोपियों ने वह जमीन किसी अन्य व्यक्ति को बेच दी है।

शार्ट न्यूज

डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण करने वाले तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्रेनो वेस्ट के डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण और प्लाटिंग करने के मामले में महिला और उसके दो बेटों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। डूब क्षेत्र में निर्माण कार्य पर रोक है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सहायक प्रबंधक मनोज कुमार ने बिसरख थाने में लिखित शिकायत दी कि बिसरख जलालपुर के खसरा संख्या-112 की भूमि प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में है। एक किसान परिवार ने इस खसरा संख्या पर अवैध रूप से प्लाटिंग की है और पक्का निर्माण भी कर लिया है। अब एक बार फिर यहां अवैध निर्माण किया जा रहा है जमीन पर अवैध रूप से प्लाटिंग की जा रही है। आरोपी भोले-भाले लोगों को जाल में फंसाकर प्लॉट बेच रहे हैं, जबकि डूब क्षेत्र में किसी भी प्रकार का निर्माण करना अवैध है। अवैध निर्माण को रोकने के लिए नोटिस बोर्ड लगाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसके बावजूद यहां अवैध निर्माण चालू है। पुलिस ने इस मामले में राजकली और उसके दो बेटे रविंद्र और लीलू के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

इंडोनेशिया की यात्रा के नाम पर दंपति से ठगी

नोएडा। सेक्टर-63 क्षेत्र में कार्यालय खोलकर इंडोनेशिया घुमाने का झांसा देकर दंपति से 1.45 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। पुलिस ने महिला की शिकायत पर पांच नामजद समेत सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। सेक्टर-63ए निवासी गुंजन टॉडक तविलदार ने पुलिस को बताया कि उनके पति अभिषेक तविलदार ने 23 सितंबर को मोबाइल के जरिए विक्रम राजपूत से संपर्क किया। उसने बताया कि उसकी ट्रैवल लैंड इंडिया नाम से ट्रैवल एजेंसी है। उसने इंडोनेशिया के बाली में पांच दिन छह रात का पैकेज एक लाख 45 हजार रुपये में घुमाने का पैकेज बताया। पीड़िता ने बताया कि वह पूर्व में भी दो बार इसी एजेंसी के माध्यम से घूमने जा चुके हैं विक्रम राजपूत ने एक क्यूआर कोड भेजा, जिस पर शिकायतकर्ता ने 25 सितंबर को 10 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। यह बैंक खाता प्रज्ञा शर्मा के नाम से था। इसके बाद विक्रम राजपूत ने एक व्हाट्सऐप ग्रुप बनाया, जिसमें प्रज्ञा शर्मा, नीरज घई, मयंक अग्रवाल, विक्रम राजपूत, विवेक सिंह, पीड़िता, उसके पति अभिषेक तविलदार और दो अन्य लोग थे। उन्होंने 30 सितंबर को 40 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद 15 अक्तूबर को 50 हजार रुपये, 21 अक्तूबर को 15 हजार रुपये और 22 अक्तूबर को 30 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए।

शारदा विश्वविद्यालय में क्रिसमस-नववर्ष कार्निवल

गौतम बुद्ध नगर। शारदा विश्वविद्यालय और शारदा अस्पताल में क्रिसमस और नव वर्ष कार्निवल 2025 का आयोजन किया गया। मानव संसाधन विभाग, शारदा अस्पताल, शारदाकेयर हेल्थसिटी और शारदा विश्वविद्यालय ने संयुक्त रूप से छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्निवल में भोजन, खेल, कला, शिल्प और खरीदारी के स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों का आवंटन कर्मचारियों और छात्रों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। मानव संसाधन विभाग ने कर्मचारियों के लिए म्यूजिकल चेयर, सोलो डांस, ग्रुप डांस, सिंगिंग, गुब्बारे गेम्स और दौड़ जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विदेशी छात्रों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विवेक गुप्ता और मुख्य मानव संसाधन अधिकारी अमित टोप्पो ने मानव संसाधन विभाग और स्टाफ को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर साज़िया मदार, सौरभ सुमन, मोनी राणा, मोक्षदा मिश्रा, अंजलि सिंह, प्रियंका गोयल सहित फैकल्टी मेंबर्स और स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

ट्रांसपोर्टर के हत्यारे को आजीवन कारावास

ग्रेटर नोएडा। जिला अदालत ने ट्रांसपोर्टर अजीत सिंह की हत्या के मामले में राघवेंद्र त्रिपाठी उर्फ राघव को शुक्रवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने दोषी पर 30 हजार रुपये जुर्माने भी लगाया। जुर्माना न भरने पर छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। एडीजीसी क्राइम रतन सिंह भाटी ने बताया कि मामला 15 मई 2019 का है। ग्रेटर नोएडा निवासी अजीत सिंह अपनी कार में सवार होकर सेक्टर ज्यू-3 निवासी राघवेंद्र त्रिपाठी के साथ बुलंदशहर गए थे। अजीत सिंह खेत के ठेके के रुपये लेने के लिए गए थे। इसी दिन शाम को अजीत के बेटे सोनू भाटी के फोन पर राघवेंद्र के मोबाइल नंबर से फोन आया और उसने बताया कि उनके पिताजी नहीं मिल रहे इस सूचना के बाद परिवार के सदस्य तुरंत घटनास्थल की ओर रवाना हुए। जब परिवार के लोग गढ़ी आजमपुर गांव के गेट के पास नहर की पटरी पर पहुंचे तो वहां उनकी कार खड़ी मिली। कुछ दूरी पर राघवेंद्र बदहवास और घबराई हुई स्थिति में खड़ा था। इस मामले में परिजनों ने संदेह होने पर दनकौर कोतवाली में राघवेंद्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। पुलिस को 17 मई 2019 की सुबह सूचना मिली कि एक अज्ञात व्यक्ति का शव अलीगढ़ शव गृह में रखा है। परिवार के सदस्यों ने शव की पहचान अजीत सिंह के रूप में की।

ओटीएस का 400 से अधिक लोगों ने लाभ उठाया

नोएडा। विद्युत निगम द्वारा बकायेदार उपभोक्ताओं और बिजली चोरी के संलिप्त उपभोक्ताओं के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) चल रही है। योजना के तहत शुक्रवार को जिले में 24 स्थानों पर शिविर लगाए गए। इन शिविरों में 400 से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराके योजना का लाभ उठाया। इसी तरह बिजली चोरी में संलिप्त 10 लोगों ने भी योजना के तहत पंजीकरण कराके योजना का लाभ उठाया। विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता (वाणिज्यिक) रितेश आंदन ने बताया कि जिले में छह शिविर दादरी क्षेत्र में, छह शिविर जेवर क्षेत्र में, छह शिविर नोएडा क्षेत्र में और छह शिविर ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में लगाए गए इन शिविरों में 400 बकायेदारों ने पंजीकरण कराके करीब 80 लाख रुपये का राजस्व जमा किया। इसी तरह बिजली चोरी के प्रकरण में संलिप्त 10 लोगों ने पंजीकरण कराके छह लाख रुपये का राजस्व जमा किया। उन्होंने बताया कि अभी तक 46 सौ बकायेदारों ने योजना के तहत पंजीकरण कराया है। इन बकायेदार उपभोक्ताओं से विद्युत निगम को आठ करोड़ रुपये प्राप्त हुए है। इसी तरह बिजली चोरी के मामलों में संलिप्त 170 उपभोक्ताओं ने योजना के तहत पंजीकरण कराया है। इनसे विद्युत निगम को करीब एक करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। ओटीएस योजना के पहले चरण के तहत 31 दिसंबर तक शिविर जारी रहेगा। इसी तरह क्रम से दूसरे और तीसरे चरण में फरवरी तक योजना लागू रहेगी।

बार चुनाव में पहले दिन 17 प्रत्याशियों ने पर्चा भरा

ग्रेटर नोएडा। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव 2025-2026 के लिए शुक्रवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई। पहले दिन अध्यक्ष व सचिव समेत अन्य आठ पदों के लिए कुल 17 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। एल्डर्स कमेटी के मुताबिक शुक्रवार को अध्यक्ष पद के लिए एडवोकेट मनोज भाटी बोड़ाकी, एडवोकेट योगेंद्र भाटी, सचिव पद के लिए एडवोकेट नीरज कुमार भाटी, एडवोकेट शोभा राम चंदेला, एडवोकेट सतेंद्र कुमार नागर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए एडवोकेट दुर्गेश सिंह, एडवोकेट राकेश शर्मा, एडवोकेट छतरपाल सिंह, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए एडवोकेट महेंद्री उर्फ मुस्कान, एडवोकेट प्रेमचंद त्यागी, कोषाध्यक्ष पद के लिए एडवोकेट दीपक लोहिया, एडवोकेट नितिन भाटी, सह सचिव प्रशासनिक पद के लिए एडवोकेट सिंहराज चौधरी, एडवोकेट विक्रम सिंह, सांस्कृतिक सचिव पद के लिए एडवोकेट मीनू त्यागी, सह सचिव पुस्तकालय पद के लिए एडवोकेट अमित कुमार ने नामांकन भरा शनिवार को सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। इसके साथ ही नामांकन वापसी की प्रक्रिया दोपहर 2 से 3 बजे तक होगी। नामांकन पत्रों की जांच दोपहर 3 से 4 बजे तक की जाएगी। इसके बाद शाम 5 बजे प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी। 24 दिसंबर की सुबह 9 से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। जिसमें 1:30 बजे से 2:00 बजे तक लंच ब्रेक रहेगा। इसके बाद शाम 6 बजे से मतगणना शुरू होगी, जिसके बाद परिणाम जारी किए जाएंगे।

नवजात की मौत के मामले में प्रशासन सख्त

- कब्र से निकलवाकर कराया गया पोस्टमॉर्टम
- लापरवाही के आरोपों की गहराई से जांच शुरू, रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई

पीलीभीत। जिला अस्पताल में तीन दिसंबर को प्रसव के बाद नवजात की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया है। परिजनों द्वारा अस्पताल स्टाफ पर गंभीर लापरवाही और नवजात के सिर में चोट लगने से मौत का आरोप लगाए जाने के बाद जिला प्रशासन ने जांच की प्रक्रिया तेज कर दी है। शिकायत मिलने के बाद मामले को गंभीर मानते हुए अधिकारियों ने नवजात के शव का पोस्टमॉर्टम कराने का निर्णय लिया, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके।

शुक्रवार को मजिस्ट्रेटी निगरानी में यह प्रक्रिया पूरी कराई गई। नायब तहसीलदार और सीओ सिटी दीपक चतुर्वेदी की मौजूदगी में मैत्री बाग कॉलोनी निवासी पीड़ित पक्ष के समक्ष नवजात के शव को कब्र से बाहर निकलवाया गया। पूरी कार्रवाई कानून के तहत तय प्रक्रियाओं का पालन करते हुए कराई गई, ताकि जांच पूरी तरह पारदर्शी रहे। इसके बाद शव को सुरक्षित तरीके से पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। परिजनों का आरोप है कि प्रसव के दौरान और उसके बाद अस्पताल स्टाफ द्वारा आवश्यक सावधानियां नहीं बरती गईं, जिसके चलते नवजात को गंभीर चोट आई और उसकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि यदि समय रहते सही देखभाल और चिकित्सकीय निगरानी की जाती, तो नवजात की जान बचाई जा सकती थी। इसी को लेकर उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी। रिपोर्ट के आधार पर यह तय किया जाएगा कि नवजात की मौत स्वाभाविक कारणों से हुई या किसी प्रकार की चिकित्सकीय लापरवाही इसमें शामिल रही। यदि जांच में लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ विधिक और विभागीय कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से जिला अस्पताल की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। यह मामला न केवल एक परिवार के दुख से जुड़ा है, बल्कि सरकारी अस्पतालों में प्रसूता और नवजात की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर चिंताएं पैदा कर रहा है। प्रशासन का कहना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की जा रही है, ताकि सच्चाई सामने आ सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

फिलहाल, परिजन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं और प्रशासन की ओर से भरोसा दिलाया गया है कि जांच में किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आने पर दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

मिशन शक्ति केंद्र बनने से महिला अपराध में आई गिरावट

डीजीपी ने की समीक्षा,बलात्कार के मामलों में 34 प्रतिशत की गिरावट

लखनऊ। प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्णा ने शुक्रवार को मिशन शक्ति केंद्रों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा की।

इस दौरान सभी रेंज के आईजी व डीआईजी, कमिश्नरेट के संयुक्त/अपर पुलिस आयुक्त और जिलों के नोडल अधिकारियों व प्रभारियों से फीडबैक लिया गया।

समीक्षा में मिशन शक्ति केंद्रों के प्रभावी क्रियान्वयन से महिला संबंधी अपराधों में आई गिरावट की तारीफ की गई। डीजीपी ने सितंबर 2025 में मिशन शक्ति व्यवस्था को और मजबूत बनाते हुए हर थाने में मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए।

ये केंद्र अब केवल शिकायत दर्ज करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सिंगल पॉइंट ऑफ सपोर्ट के रूप में काम करते हैं।

यहां महिलाओं को मामलों की शुरुआत से लेकर न्यायिक प्रक्रिया की समाप्ति तक मानसिक, सामाजिक, कानूनी और संस्थागत सहयोग प्रदान किया जाता है।

बता दें कि मिशन शक्ति अभियान की शुरुआत अक्टूबर 2020 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।

3 साल की बच्ची के सिर में अचानक लगी गोली

लखनऊ। लखनऊ में घर की छत पर खेल रही बच्ची के सिर में गोली लग गई। गनीमत रही कि गोली टिन शेड को चीरते हुए आई थी, इसलिए उसमें फोर्स काफी कम हो गया था। इससे बच्ची की जान बच गई। ट्रॉमा सेंटर में डॉक्टरों ने 5 घंटे तक ऑपरेशन करके गोली निकाली। अभी बच्ची ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू वार्ड में भर्ती है।

गोली कहां से आई और किसने चलाई, यह पता नहीं चल पाया है। बच्ची के पिता ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। मामला गाजीपुर थाना क्षेत्र का है। बस्तौली गांव में रहने वाले रमेश ने बताया- गुरुवार को मेरी 3 साल की बेटी लक्ष्मी घर की छत पर बने टीन शेड के नीचे खेल रही थी। उसके साथ मेरे दो बेटे सौभाग्य (8) और हिमांश (7) भी खेल रहे थे। इसी दौरान अचानक तेज आवाज हुई और लक्ष्मी के सिर से खून निकलने लगा। उसकी चीख-पुकार सुनकर सब लोग घबरा गए। हम लोग लक्ष्मी को लेकर मेघना अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने उसके सिर में टांके लगा दिए।

रमेश ने बताया- रात में बेटी की तबीयत फिर बिगड़ने पर हम उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले गए। जांच के दौरान डॉक्टरों ने बताया कि उसके सिर में गोली फंसी है। अस्पताल में बेड नहीं होने की वजह से उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। ट्रॉमा सेंटर में सीटी स्कैन के बाद बेटी का ऑपरेशन कर सिर से गोली निकाल दी गई।

एसपी ने साप्ताहिक परेड की ली सलामी, पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

ललितपुर । पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक द्वारा शुक्रवार की परेड की सलामी ली गयी परेड का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान परेड की ड्रिल, अनुशासन, ड्रेस कोड तथा तालमेल की गुणवत्ता का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया । तत्पश्चात रिज़र्व पुलिस लाइन्स में स्थित विभिन्न शाखाओं जैसे- शस्त्रागार, परिवहन शाखा, भोजनालय, क्वार्टर गार्ड, कैंटीन, कन्ट्रोल रुम, वर्दी स्टोर आदि का स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव एवं संसाधनों की स्थिति की समीक्षा की गई । डायल-112 के PRV वाहनों निरीक्षण किया गया । निरीक्षण को दौरान वाहनों की साफ-सफाई, संचार उपकरणों वायरलेस सेट, जीपीएस ट्रैकर, टैब/मोबाइल की कार्यशीलता एवं अन्य आपातकालीन उपकरणों की स्थिति की समीक्षा की गई ।

पीआरवी स्टाफ को आमजन के प्रति संवेदनशील, संयमित एवं सेवा भाव से कार्य करने हेतु प्रेरित किया ।त्वरित रिस्पॉन्स टाइम को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए । पुलिस अधीक्षक द्वारा अर्दली रूम का आयोजन किया गया, जिसमें रिज़र्व पुलिस लाइन्स की विभिन्न मदों के रजिस्टरों अवलोकन किया गया तथा विभागीय अनुशासनात्मक कार्यवाहियों, शिकायतों तथा लम्बित पत्रावलियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित शाखा प्रभारियों को निर्देशित किया गया ।

परेड में शामिल पुलिस अधि0/कर्म0गण से उनकी समस्याओं को सुनकर, सम्बन्धित को अविलम्ब निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। एसपी द्वारा मेस के निरीक्षण के दौरान मेस में मीनू के अनुसार साफ एवं स्वच्छ तरीके से तैयार किये गये भोजन की गुणवत्ता जांचकर, मेस मैनेजर कां0 रंजीत कुमार को उत्कृष्ट कार्य के लिए उत्साहवर्धन हेतु 500/- रुपये की नगद धनराशि के पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया । इस दौरान क्षेत्राधिकारी पाली सुनील कुमार व अन्य पुलिस अधि0/कर्म0गण मौजूद रहे ।

ट्रैफिक पुलिस ने टोल प्लाजा पर वाहन चालकों व आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस, ललितपुर द्वारा निरंतर जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद के वीघा खेत टोल प्लाजा पर वाहन चालकों/आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने हेतु 24 घंटे (24×7) ऑडियो संदेशों का प्रसारण किया जा रहा है।

इस ऑडियो संदेश के माध्यम से वाहन चालकों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, शराब पीकर वाहन न चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, लेन अनुशासन बनाए रखने, ओवरलोडिंग से बचने तथा सड़क पर सुरक्षित दूरी बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण यातायात नियमों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही, सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली जन-धन की हानि के प्रति भी लोगों को सतर्क किया जा रहा है।वीघा खेत टोल प्लाजा से प्रतिदिन बड़ी संख्या में चार पहिया, दो पहिया एवं भारी वाहनों का आवागमन होता है। ऐसे में यातायात पुलिस द्वारा लगातार ऑडियो संदेशों का प्रसारण यात्रियों पर सकारात्मक प्रभाव डाल रहा है और उन्हें सुरक्षित एवं जिम्मेदार वाहन संचालन के लिए प्रेरित कर रहा है। यातायात पुलिस, ललितपुर का उद्देश्य इस पहल के माध्यम से आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सड़क सुरक्षा संस्कृति को विकसित करना तथा दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। टोल प्लाजा पर चल रहे इस जागरूकता अभियान की यात्रियों द्वारा सराहना की जा रही है। यातायात पुलिस, ललितपुर द्वारा समस्त वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे यातायात नियमों का पूर्ण पालन करें, स्वयं सुरक्षित रहें तथा दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। यातायात नियमों का पालन ही सुरक्षित, सुगम एवं दुर्घटनामुक्त यात्रा का आधार है।

कारोबारी ने 2 बेटों को ईंट से कूंचा...1 की मौत

कानपुर। कानपुर में सर्राफा कारोबारी ने 2 बेटों को ईंट से कूच दिया। बेटों को मरा समझकर कारोबारी ने जहर खाया, फिर घर के कमरे में फंदे पर लटक कर जान दे दी। इस बीच 1 बेटे की मौत हो गई, जबकि दूसरे बेटे का हैलट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। उसकी हालत गंभीर है। पुलिस को कमरे से सुसाइड नोट भी मिला है। जिसमें लिखा है- पिताजी, बच्चे उतने ही पैदा करने चाहिए, जितने का सही से पालन-पोषण कर सकें। इन्हें किसके सहारे छोड़ूं, इसलिए बच्चों को भी साथ ले जा रहा हूं। कानपुर में कारोबारी के जिस बेटे की मौत हुई है, वो सिर्फ 7 साल का है। जबकि 12 साल के बड़े बेटे रुद्र के सिर पर गंभीर चोट आई है। शुक्रवार सुबह जब कारोबारी घर से बाहर नहीं आए, तो पड़ोसियों ने अंदर जाकर देखा। दोनों बेटे खून से लहूलुहान पड़े थे। पुलिस के आने के बाद सभी को बिल्हौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भेजा गया। घटना बिल्हौर के अरौल थाना क्षेत्र की है।

हवनकुंड में महिला को जिंदा जलाने वाले 4 को उम्रकैद

संभल में घर में घुसकर बेटी के सामने मां से किया था गैंगरेप

संभल। संभल में गैंगरेप के बाद मंदिर के हवन कुंड में महिला को जिंदा जला दिया गया था।

वारदात के साढ़े 7 साल बाद आए फैसले में 4 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। साथ ही कोर्ट ने हर दोषी पर एक लाख 7 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। पीड़ित परिवार ने सभी दोषियों को फांसी की सजा की मांग की थी।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता हरिओम प्रकाश ने बताया- जुर्माने के 50-50 हजार रुपए मिलाकर 2 लाख रुपए पीड़ित परिवार को दिए जाएंगे। बाकी की राशि सरकारी खजाने में जमा होगी।

वहीं, सजा सुनाए जाने के बाद दोषियों ने कोर्ट के बाहर आते ही कहा कि हम निर्दोष हैं।

हमने कुछ नहीं किया, हमें फंसाया गया है। इस मामले में एक आरोपी नाबालिग है। उसका अलग से ट्रायल हो रहा है। पुलिस चारों दोषियों को मुरादाबाद जिला कारागार से कोर्ट लेकर आई थी।

ममेरा भाई बोला- फैसले से संतुष्ट, हाई कोर्ट जाने के बारे में सोचेंगे

मृतका के ममेरे भाई ने बताया- हमने तो चारों को फांसी की सजा देने की मांग की थी, ताकि ये जेल से छूट ही न सकें और दूसरी बहन बेटियों के साथ कोई वारदात न कर सकें। लेकिन कोर्ट ने आजीवन कारावास का फैसला सुनाया है।

हम फैसले से संतुष्ट हैं, ऊपरी अदालत में जाने के लिए अभी हम परिवार के साथ बैठकर बातचीत करेंगे,उसके बाद ही कोई निर्णय होगा।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर । मड़ावरा पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी मड़ावरा, कृष्णकुमार के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मड़ावरा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0- 300/2025 धारा 65(1)/64/127(2)/351(3) बीएनएस व 5(jii) पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त प्रेम सिंह लोधी पुत्र हल्के उर्फ हरदास निवासी बम्हौरीकला उम्र करीब 20 वर्ष थाना मड़ावरा जनपद ललितपुर को नियमानुसार गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है ।गिरफ्तार करने वाली टीम निरीक्षक मानवेन्द्र हे.का. शैलेन्द्र आदि शामिल रहे।

साइबर क्राइम रोकथाम के लिए चलाया जागरूकता अभियान

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, जनपद ललितपुर के साइबर क्राइम सेल थाना जखौरा पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में जनता के लोगों को साइबर क्राइम के प्रति जागरुक किया गया तथा साइबर क्राइम से बचाव हेतु उपाय बताया गया।

जागरुकता कार्यक्रम के दौरान साइबर बुलिंग, स्टॉकिंग, फिसिंग, स्लेबरी, आईडेन्टिटी थेफ्ट आदि के विषय में विस्तृत रुप से जानकारी दी गई तथा साइबर अपराध से बचाव के सम्बंध में निम्न जानकारियाँ दी गई। डीप फेक, एआई, डिजिटल अरेस्ट आदि के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया गया ।किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें तथा प्लेस्टोर/आईओएस से जेनुइन ऐप ही डाउनलोड करें, इनके अतिरिक्त किसी अन्य प्लेटफॉर्म से कोई ऐप डाउनलोड न करें । किसी अनजान व्यक्ति से अपनी बैंकिंग सम्बंधी कोई भी डिटेल शेयर न करें तथा ओटीपी आदि मांगने पर न दें । सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय सावधानियां बरते ।किसी भी पोस्ट की सच्चाई जाने विना उसे शेयर न करें , अनजान लोगो की फ्रैन्ड रिक्वेस्ट आने पर उसे एक्सेप्ट न करें तथा सिक्योरिटी फीचर हमेशा ऑन रखें ।कॉल पर किसी भी व्यक्ति द्वारा दिए गए ऑफर, लालच, या धमकी पर विश्वास न करें ।सभी प्रकार के ईलेक्ट्रानिक उपकरण, सभी डिजिटल अकाउंट का स्ट्रांग पासवर्ड बनाएं तथा टू-स्टेप ऑथेंटिकेशन की सेटिंग अनिवार्य रुप से ऑन रखें ।साइबर फ्राड होने पर तत्काल अपनी शिकायत साइबर हेल्प लाइन नं0 1930, NCCRP पोर्टल पर शिकायत रजिस्टर्ड करने या www.cybercrime.gov.in पर अपनी शिकायत रजिस्टर्ड करायें अथवा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर अपने निकटतम थाने या डायल-112 पर सूचना दें, जिससे कि वित्तीय धोखाधड़ी होने पर साइबर क्राइम के गोल्डन ऑवर में सम्बं।

सर्दियों में पशुओं की देखभाल को लेकर पशुपालन विभाग ने जारी की एडवाइजरी

ठंड के मौसम में ताजा व गुनगुना पानी पिलाएं : डॉ प्रवीण कुमार त्यागी

पीलीभीत। कड़ाके की ठंड में मनुष्यों के साथ-साथ पशु-पक्षियों के सामने भी कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। इसे देखते हुए पशुपालन विभाग ने किसानों और पशुपालकों के लिए आवश्यक सतर्कता बरतने संबंधी एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने ठंड के मौसम में पशुओं को सुरक्षित रखने, बीमारियों से बचाने और उत्पादन बनाए रखने के लिए विशेष सावधानियों पर जोर दिया है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार त्यागी ने बताया कि पशु-पक्षियों को खुले आसमान के नीचे न बांधा जाए। उन्हें घिरी हुई जगह, छप्पर या शेड से ढके स्थानों में रखा जाए। पशुशाला में रोशनदान, दरवाजे और खिड़कियों को आवश्यकता अनुसार टाट या बोरे से ढकने की सलाह दी गई है, ताकि ठंडी हवा का प्रभाव कम हो सके ।उन्होंने बताया कि पशु बाड़े में गोबर और मूत्र निकास की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। जलभराव या मूत्र जमा होने से गैस बनने का खतरा रहता है, जिससे पशुओं को सांस लेने में परेशानी हो सकती है। बिछावन के लिए भूसा, पराली या गन्ने की खोई का उपयोग करें और नमी व सीलन से बचाव सुनिश्चित करें।

पशुओं को हमेशा ताजा और गुनगुना पानी पिलाने की सलाह दी गई है। ठंड से बचाव के लिए जूट के बोरे का झूल पहनाएं और यह ध्यान रखें कि झूल खिसक न जाए। आवश्यकतानुसार अलाव जलाएं, लेकिन अलाव पशुओं की पहुंच से दूर रखें। इसके लिए पशु के गले में रस्सी बांधकर दूरी बनाए रखें। अलाव जलाने की स्थिति में बाड़े के रोशनदान खुले रखें, ताकि गैस बाहर निकल सके ।संतुलित आहार पर भी विशेष जोर दिया गया है। पशुओं के आहार में खली, दाना और चोकर की मात्रा बढ़ाने की सलाह दी गई है।

बीएलओ ड्यूटी से लौट रहे टीचर की हादसे में मौत

बरेली। एसआईआर के दबाव में दिन-रात डिप्रेशन में रहने वाले बीएलओ की सड़क हादसे में मौत हो गई। बीएलओ ड्यूटी से लौट रहे सहायक अध्यापक को ट्रक ने रौंद दिया, जहां घायल अवस्था में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। टीचर की मौत के बाद उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। 22 नवंबर को टीचर की मां का निधन हो गया था, इसके बावजूद स्ब्क्रके दबाव में उन्हें छुट्टी तक नहीं दी गई। इसके बाद से वह और अधिक तनाव में थे। हादसा फरीदपुर तहसील क्षेत्र के कंजा की जयारत का है। फरीदपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम डगरौली निवासी मोर सिंह यादव हरेली प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात थे। उनकी बीएलओ ड्यूटी फरीदपुर नगर क्षेत्र में लगाई गई थी।

शार्ट न्यूज

अवैध गैस रिफिलिंग बनी आग का कारण, बीच सड़क धू-धू कर जली ईको कार

पीलीभीत। नौगवा चौराहा स्थित के बाग़ गुलशेर खां इलाके में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक ईको कार में अवैध तरीके से गैस रिफिलिंग के दौरान अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और बीच सड़क खड़ी कार धू-धू कर जलने लगी। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में कार पूरी तरह जलकर राख हो गई। कार में अवैध सिलेंडर से गैस भरी जा रही थी। इसी दौरान गैस रिसाव के चलते चिंगारी भड़की और आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगते ही आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया, लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे ।घटना की सूचना मिलते ही नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और क्षेत्र को घेराबंदी कर सुरक्षित किया। सौभाग्यवश इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन कार पूरी तरह से जलकर नष्ट हो गई ।पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है और अवैध गैस रिफिलिंग करने वालों की पहचान कर कार्रवाई की बात कही जा रही है।

पुलिस ने चौरी में वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

ललितपुर । महरौनी पुलिस ने चौरी में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी महरौनी, आशीष मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना महरौनी पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0- 388/2025 धारा 303(2) बीएनएस में वांछित अभियुक्त मंगल पुत्र छक्की उम्र करीब 30 बर्ष निवासी ग्राम कियारा पोस्ट व थाना खनियाधाना जिला शिवपुरी म0प्र0 को नियमानुसार गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है ।गिरफ्तार करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक राजा दिनेश सिंह उ.नि. अभिषेक सिंह हे.का. नीरज कुमार का. श्यामवीर गुर्जर आदि शामिल रहे।

लखनऊ जॉब फेयर में 137 को मिली नौकरी

लखनऊ। लखनऊ के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अलीगंज में शुक्रवार को रोजगार मेला लगाया गया। कड़ाके की सर्दी में जॉब फेयर में शामिल होने के लिए 327 अभ्यर्थी कैंपस पहुंचे। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और इंटरव्यू के बाद कुल 137 स्टूडेंट्स का जॉब ऑफर दिया गया। हालांकि, जॉब फेयर में कुल 15 कंपनियों को शामिल होना था पर 5 कंपनी नहीं आई। आईटीआई की तरफ से शामिल न होने वाली कंपनियों को नोटिस जारी की गई है। आईटीआई अलीगंज के प्लेसमेंट ऑफिसर मजहर खान ने बताया कि जॉब फेयर में कुल 327 अभ्यर्थी शामिल हुए। इनमें 137 अभ्यर्थियों को जॉब ऑफर दिया गया। जॉब फेयर में कुल 15 कंपनियों को शामिल होना था पर 10 कंपनियां शामिल हुई। जो कंपनियां नहीं आई, उन्हें नोटिस देकर जवाब तलब किया गया। मजहर खान ने बताया कि ये जॉब फेयर बीपीएल केटेगरी के अभ्यर्थियों के लिए लगाया गया था। चयनित अभ्यर्थियों को 10 से 20 हजार के बीच की सैलरी ऑफर की गई है। इसके अलावा कई कंपनियों ने एक्स्ट्रा बेनिफिट्स भी देने की बात कही है।

युवक को पीटकर दूसरी मंजिल से फेंका

कानपुर। कानपुर में शराब खरीदने के लिए 250 रुपए न देने पर 4 दोस्तों ने युवक के सिर पर बाल्टी से हमला कर दिया। फिर चारों ने हाथ-पैर पकड़कर उसे निर्माणाधीन मकान की दूसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। इससे युवक की 3 जगह से रीढ़ की हड्डी टूट गई। राहगीरों ने युवक को सड़क पर पड़े देखा। उन्होंने उससे जानकारी की, फिर उसके परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसे हैलट अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़ित की मां ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी खंगाले हैं। युवक अपने दोस्तों के साथ जाते हुए दिखाई दे रहा है। घटना हनुमंत विहार थाने की है। नारायनपुर निवासी प्रीति गुप्ता ने बताया कि 15 दिसंबर की दोपहर करीब 3 बजे मेरा बेटा आयुष गुप्ता अपने काम से जा रहा था। वह बख्तौरी पुरवा पहुंचा था। जहां नौबस्ता बंबा रोड निवासी उसके चार दोस्त उसे मिल गए। आरोप है कि उन्होंने आयुष से शराब पीने के लिए 250 रुपए मांगे। मगर आयुष ने मना कर दिया। इसके बाद उसके दोस्त बोले- कोई बात नहीं। चलो, आज हम लोग तुम्हें पार्टी देते हैं। चारों लोग आयुष को एक निर्माणाधीन मकान में ले गए। यहां पर चारों ने मिलकर आयुष के साथ बेरहमी से मारपीट की।

कानपुर-सागर हाइवे का भौतिक निरीक्षण

कानपुर। घाटमपुर में कानपुर सागर हाइवे पर नौबस्ता से यमुना पुल के बीच एक साल में हुई दुर्घटना स्थलों का संयुक्त टीम ने निरीक्षण किया। उन्होंने दुर्घटना के कारणों व रोकने के विकल्पों को देखा। डीएम द्वारा गठित टीम में एआरटीओ समेत एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी मौजूद रहे। कानपुर डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने बीते दिनों कानपुर सागर हाइवे पर सड़क हादसों में कमी लाने के लिए पांच सदस्यीय टीम गठित की थी, टीम ने हाइवे पर जीपीएस लोकेशन से लगभग 50 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए थे। एनएचआई के डिप्टी मैनेजर हर्ष वर्धन ने बताया कि बीते दिनों टीम के द्वारा कानपुर सागर हाईवे पर लगभग 50 ब्लैक स्पॉट जीपीएस लोकेशन के जरिए चिन्हित किए गए थे, जिनका आज भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। इसके साथ ही इस बात का भी ध्यान रखा जा रहा है, कि हाईवे पर सड़क हादसों में किस प्रकार से कमी लाई जाए। और जिन जगहों पर सड़क हादसे हुए हैं। उन जगहों पर संकेतक बोर्ड लगाने के साथ सड़क हादसों के कारण पता कर उस कारण का निवारण करने के लिए टीम ने नौबस्ता से लेकर हमीरपुर यमुना पुल तक हाईवे की जांच की है, यह जांच रिपोर्ट संयुक्त टीम कानपुर डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह को रिपोर्ट सौंपेगी।

प्रयागराज जंक्शन पर अवैध शराब बरामद

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने चार शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से करीब 70 हजार रुपये कीमत की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की गई। ये तस्कर ट्रेन के जरिए शराब बिहार ले जाने की फिराक में थे। यह कार्रवाई रेलवे स्टेशन, सर्कुलेटिंग एरिया और ट्रेनों में चोरी व अवैध तस्करी रोकने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। यह अभियान अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे, पुलिस उप महानिरीक्षक रेलवे और पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज के निर्देशन में चल रहा है। क्षेत्राधिकारी रेलवे प्रयागराज अरुण कुमार पाठक के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक जीआरपी प्रयागराज अकलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने प्रयागराज जंक्शन के पोर्टिको के बगल में बने शौचालय गेट के पास संदिग्धों को पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, रात करीब 8: 35 बजे चारों युवक झोलों के साथ संदिग्ध अवस्था में खड़े थे। तलाशी के दौरान उनके झोलों से सिग्नेचर, ब्लैक बकार्डी, ब्लेंडर प्राइड, 8पीएम, आफ्टर डार्क और रॉयल स्टेज ब्रांड की अंग्रेजी शराब बरामद हुई। उनके पास से कुछ नकद रुपये भी मिले।

कानपुर में दो शातिर चोर गिरफ्तार

कानपुर। कानपुर की चकेरी पुलिस ने दो अंतरजनपदीय चोरों को गिरफ्तार किया है। ये चोर बंद मकानों की रेकी कर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। पुलिस ने इनके पास से 1 किलो 175 ग्राम चांदी, 105 ग्राम वजन के नग और एक यामाहा आर 15 स्पोर्ट्स बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार, हाल ही में क्षेत्र में चोरी की तीन घटनाएं हुई थीं, जिनमें से दो में चोर सफल रहे और एक में असफल। पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें दो शातिर चोर एक स्पोर्ट्स बाइक पर अहीरवां स्थित एक ज्वैलरी शॉप पर चोरी करते दिखे। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान तात्या टोपेनगर निवासी दीपक सोनकर और हनुमंत विहार निवासी विशाल के रूप में की। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे रेकी कर चोरी करते थे और चोरी का माल राहगीरों को सस्ते दामों पर बेचकर आपस में बांट लेते थे।

संक्षिप्त समाचार

'रूस अगले साल भी युद्ध जारी रखने की तैयारी कर रहा', यूक्रेनी राष्ट्रपति ने पश्चिमी देशों से लगाई मदद

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूस अगले साल भी युद्ध जारी रखने की तैयारी कर रहे हैं। जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों और खासकर अमेरिका से मदद देने की अपील की। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में जेलेंस्की ने लिखा, 'आज हमें फिर से ऐसे संकेत मिले हैं कि मॉस्को अगले साल भी लड़ाई जारी रखने की तैयारी कर रहा है। ये संकेत सिर्फ हमारे लिए नहीं हैं बल्कि ये हमारे सहयोगी देशों के लिए भी संकेत हैं कि वे भी इसे देखें और न सिर्फ देखें बल्कि इस पर प्रतिक्रिया भी दें। खासकर अमेरिका, जो अक्सर कहता है कि रूस इस युद्ध को खत्म करना चाहता है।' जेलेंस्की ने आगे लिखा, 'अमेरिका दावा करता है कि रूस, युद्ध रोकना चाहता है, लेकिन जो संकेत मिल रहे हैं, वे बिल्कुल उलट हैं। रूस की मानसिकता को समझकर उसके हिसाब से कार्रवाई की जानी चाहिए। रूस कूटनीति को अहमियत नहीं देता और वह बस यूक्रेन और यूक्रेन के लोगों को तबाह करना चाहता है। वह यूक्रेन की जमीन को चुराकर उसे कानूनी वैधता देना चाहता है। यूक्रेन के बाद रूस यूरोप का रुख करेगा, जहां वह यूरोप की जमीन को भी ऐतिहासिक रूप से रूस की जमीन बताएगा।' जेलेंस्की ने इसके बाद लिखा कि यूक्रेन अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा। यूक्रेन को आर्थिक और सैन्य मदद की जरूरत है। साथ ही रूस की संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई और राजनीतिक इच्छाशक्ति की भी जरूरत है।

इस्राइल ने गाजा के रिहायशी इलाके में दागे मोर्टार, 10 लोग घायल

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल की सेना ने बुधवार को गाजा पट्टी के एक फलस्तीनी रिहायशी इलाके में मोर्टार गोला दागा। इस घटना में कम से कम 10 लोगों के घायल होने की पुष्टि स्वास्थ्य अधिकारियों ने की है। इस्राइली सेना ने कहा कि यह फायरिंग संघर्षविराम समझौते में तय की गई तथाकथित 'येलो लाइन' के पास एक सैन्य अभियान के दौरान हुई। सेना के मुताबिक मोर्टार अपने तय लक्ष्य से भटक गया, हालांकि यह नहीं बताया गया कि लक्ष्य क्या था। सेना ने घटना की जांच शुरू कर दी है। गाजा सिटी के अल-अहली अस्पताल के निदेशक फादेल नईम ने बताया कि घायल सभी लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गौरतलब है कि 10 अक्टूबर से लागू संघर्षविराम के बाद यह पहली घटना नहीं है, जब येलो लाइन के बाहर इस्राइली फायरिंग से नागरिक हताहत हुए हों। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार संघर्षविराम के बाद अब तक इस्राइली कार्रवाई में 370 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इस्राइल का कहना है कि उसने हमास की उल्लंघनों के जवाब में कार्रवाई की है, जबकि फलस्तीनी पक्ष का आरोप है कि लाइन के स्पष्ट रूप से चिन्हित न होने के कारण आम नागरिक निशाना बन रहे हैं।

रैपर के फ्लॉक को गोलीबारी मामलों में 30 साल की सजा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रैपर के फ्लॉक (केविन पेरेज) को ब्रॉन्क्स में 2020-21 के बीच हुई कई गोलीबारी घटनाओं में दोषी पाए जाने पर 30 साल की सजा सुनाई गई है। 22 वर्षीय रैपर पर चार अलग-अलग घटनाओं में कई लोगों को घायल करने और एक गैंग का मुखिया बनने का आरोप था। जज लुइस लिमन ने कहा कि पेरेज ने सोशल मीडिया पर हिंसा को बढ़ावा दिया और युवा प्रशंसकों को गलत संदेश दिया। मार्च में उन्हें रैकेटियरिंग साजिश और हत्या के प्रयास सहित कई आरोपों में दोषी ठहराया गया था।

कोलंबिया में विद्रोहियों के हमले में दो पुलिस अफसरों की मौत

बोगोटा , एजेंसी। कोलंबिया के काली में नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) विद्रोहियों के हमले में दो पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई। दोनों अधिकारी बाइक पर गश्त कर रहे थे, तभी सड़क किनारे लगाए बम से निशाना बनाया गया। घटना से पहले ईएलएन ने कैरेबियन में अमेरिकी सैन्य तैनाती के विरोध में 72 घंटे का आर्म्ड स्ट्राइक शुरू किया। अधिकारियों के मुताबिक, सप्ताहांत में पुलिस स्टेशन व सैन्य ठिकानों पर भी हमले हुए, जिनमें एक एंबुलेंस चालक की मौत हुई।

बक रॉजर्स स्टार गिल जेरार्ड का 82 साल की उम्र में कैंसर से निधन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अभिनेता गिल जेरार्ड का 82 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 1979 की साइ-फाई सीरीज बक रॉजर्स इन 25 सेंचुरी में मुख्य भूमिका निभाई थी। जेरार्ड की पत्नी जेनेट ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि जेरार्ड को कैंसर था। पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने लगी थी। उनके साथ बिताया गया समय मेरे लिए कभी पर्याप्त नहीं हो सकता।

भारत-अमेरिका के व्यापार संबंधों के लिए 2026 की पहली तिमाही होगी काफी अहम: रिचर्ड रोसो

वाशिंगटन , एजेंसी। भारत और अमेरिका के रिश्तों ने साल 2025 में कई उतार-चढ़ाव देखे। साल की शुरुआत में जहां दोनों देशों के बीच कूटनीतिक स्तर पर अच्छी तेजी दिखी, वहीं आगे चलकर व्यापार से जुड़े मतभेद और कुछ भू-राजनीतिक मुद्दों पर असहमति भी सामने आई। हालांकि अब हालात धीरे-धीरे स्थिर हो रहे हैं और दोनों देश 2026 को ज्यादा सकारात्मक और उत्पादक बनाने की दिशा में आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं। यह बात अमेरिका में भारत मामलों के वरिष्ठ विशेषज्ञ रिचर्ड रोसो ने एक साक्षात्कार में कही है। वाशिंगटन स्थित सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) में भारत और उभरती एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर काम कर रहे रिचर्ड रोसो ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'यह रिश्ता साफ तौर पर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत उन देशों में शामिल था, जिन्होंने अमेरिका के साथ शुरुआत में ही बेहतर तरीके से संपर्क बनाया। इसमें राष्ट्राध्यक्ष स्तर की मुलाकात और क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक जैसे अहम कदम शामिल थे। हालांकि, कुछ समय बाद मतभेद सामने आने लगे।

रोसो ने बताया कि भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर अलग-अलग नजरिया है और भारत द्वारा रूस से तेल की खरीद जारी रखने पर

वॉशिंगटन में चिंता बढ़ी। इसके बावजूद रोसो का मानना है कि मौजूदा दौर पहले की तुलना में कहीं ज्यादा शांत है। उन्होंने कहा, 'अब तक व्यापार समझौता पूरा नहीं हुआ है। रोज-रोज की तीखी बयानबाजी भी नहीं दिखती। यह माहौल 2026 में रिश्तों को ज्यादा मजबूत बनाने की नींव रख सकता है। व्यापार के मुद्दे पर रोसो ने माना कि भारत अमेरिकी कंपनियों के लिए एक चुनौतीपूर्ण बाजार रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद कुछ ऐसे कदम उठाए गए जिनसे अमेरिकी कंपनियों के लिए भारत में निर्यात करना मुश्किल हुआ। ये नीतियां आज भी अमेरिका की सोच को प्रभावित करती हैं, खासकर राष्ट्रपति ट्रंप के नजरिए से।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत की व्यापार नीति में समय के साथ बदलाव आया है। आयात शुल्क में कटौती, स्थानीय निर्माण की अनिवार्यता में कमी और ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात के साथ बड़े व्यापार समझौते इसके उदाहरण हैं। राजनीतिक स्तर पर आई डगमगाहट के बावजूद, व्यापारिक आंकड़े मजबूत बने हुए हैं। रोसो ने कहा कि आयात और निर्यात दोनों में साल-दर-साल बढ़ोतरी दिख रही है। 2025 के व्यापार आंकड़ों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर उच्च सिंगल-डिजिट ग्रोथ देखने को मिल सकती है। हालांकि, उन्होंने हाल के महीनों में भारतीय निर्यात में आई गिरावट की ओर भी इशारा किया। रोसो ने कृषि क्षेत्र को व्यापार समझौते में सबसे बड़ी अड़चन बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति भारत के बुनियादी कृषि उत्पादों तक पहुंच की मांग कर रहे हैं। यह भारत के लिए संवेदनशील मुद्दा है, क्योंकि देश में बड़ी संख्या में किसान हैं, जिनके पास वैकल्पिक रोजगार के सीमित अवसर हैं। ऐसे में बड़े स्तर पर उदारीकरण सामाजिक और राजनीतिक रूप से जोखिम भरा हो सकता है। भारत के पक्ष का समर्थन करते हुए रोसो ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था असमान है। जहां एक ओर सेवा क्षेत्र काफी उत्पादक है, वहीं कृषि क्षेत्र की उत्पादकता कम है। उन्होंने कहा कि सुधार धीरे-धीरे और संतुलित तरीके से होने चाहिए ताकि लोगों की जिंदगी पर अचानक नकारात्मक असर न पड़े। निवेश के मोर्चे पर रोसो ने भारत के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर में अमेरिका की अरबों डॉलर की प्रतिबद्धताओं को दीर्घकालिक सोच का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि भविष्य में दुनिया की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं होंगी और भारत उनमें से एक होगा। उनके अनुमान के मुताबिक, भारत मध्य सदी तक 20 से 25 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है और अमेरिका व चीन को सीधी चुनौती देगा।

सुधारों की बात करें तो रोसो ने कहा कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की शुरुआत धीमी रही, लेकिन हाल के महीनों में रफ्तार बढ़ी है। उन्होंने जीएसटी में बदलाव और बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति जैसे कदमों का जिक्र किया।

2026 की शुरुआत को लेकर रोसो ने कहा कि साल की पहली तिमाही बेहद अहम होगी। संभावित व्यापार समझौता, अमेरिकी राष्ट्रपति की भारत यात्रा, क्वाड नेताओं की बैठक और फरवरी में होने वाला एआई इम्पैक्ट समिट इस दिशा में निर्णायक साबित हो सकते हैं। साथ ही, भारत में होने वाले राज्य चुनाव भी सुधारों की गति को प्रभावित करेंगे। रोसो ने कहा कि पिछले 11 से 12 वर्षों में भारत ने सुरक्षा के मोर्चे पर खुद को काफी मजबूत किया है और अमेरिका के साथ सुरक्षा सहयोग भी गहरा हुआ है।

इमरान खान की बहनों और समर्थकों को प्रदर्शन करना पड़ा भारी, आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पुलिस ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहनों और उनके दर्जनों समर्थकों के खिलाफ अडियाला जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन करने के लिए आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। इमरान खान की बहनों और उनके पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। दरअसल, अधिकारियों ने जेल में बंद नेता के रिश्तेदारों और वकीलों को उनसे मिलने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। पुलिस के अनुसार, खान की दो बहनों अलीमा खान और नोरीन नियाजी के साथ-साथ सलमान अकरम राजा, नईम पंजोथा, कासिम खान, आलिया हमजा, राजा नासिर अब्बास नाम के पार्टी के नेताओं और समर्थकों के खिलाफ रावलपिंडी के सदर बेरोनी पुलिस स्टेशन में आतंकवाद विरोधी अधिनियम के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने कथित तौर पर राज्य के खिलाफ आपराधिक साजिश रचने, पुलिसकर्मियों पर हमला करने और धारा 144 का उल्लंघन करने के आरोप में पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 120 भी लगाई। पुलिस के मुताबिक कल रात मौके पर ही कम से कम 14 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया था। एफआईआर में उल्लिखित अपराधों में शामिल अन्य लोगों को गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। अगस्त 2023 से जेल में बंद इमरान खान के खिलाफ अप्रैल 2022 में सत्ता से बेदखल होने के बाद से कई मामले दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों ने खान से मुलाकातों पर बिना पूर्व सूचना के प्रतिबंध लगा दिए हैं। पुलिस का कहना है कि इस बहाने से कि आगंतुक ऐसी मुलाकातों का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करते हैं। खान से आखिरी मुलाकात 2 दिसंबर को हुई थी, हाल ही में संयुक्त राष्ट्र का यातना मामलों की विशेषज्ञ ने पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में स्थिति पर चिंता जताई और पाकिस्तान सरकार से कहा कि वह तत्काल और प्रभावी कदम उठाए।

चीन के सपने को अमेरिका का झटका, ताइवान को 10 अरब डॉलर के हथियार देने को मंजूरी

बीजिंग, एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने चीन को करारा झटका दिया है। सालों से दोनों देशों के बीच ट्रेड वॉर की स्थिति है और अब रणनीतिक मोर्चे पर अमेरिका ने ऐसा कदम उठाया है कि चीन को मिर्ची लग सकती है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने उस ताइवान को 10 अरब डॉलर के हथियार बेचने को मंजूरी दी है, जिससे चीन का तनाव बना रहता है। चीन का ताइवान पर दावा रहा है, जबकि ताइवानी नेतृत्व का जोर स्वतंत्र देश पर है। ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन अकसर आमने-सामने आते रहे हैं। यही नहीं 2022 में अमेरिकी नेता नैन्सी पेलोसी भी ताइवान गई थीं और उस दौरान चीनी फाइटर जेट्स ने उनके विमानों का पीछा करने की कोशिश की थी। इससे काफी तनाव पैदा हो गया था। अमेरिका की ओर से मंजूरी किए गए पैकेज के तहत ताइवान को मध्यम दूरी की मिसाइलें दी जाएंगी। इसके अलावा होवित्जर तोपों और ड्रोन्स की भी बिक्री शामिल है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार देर रात इन हथियार सौदों की घोषणा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित संबोधन के दौरान की। अपने भाषण में ट्रंप ने विदेश नीति के मुद्दों का बहुत कम उल्लेख किया और चीन के साथ व्यापार या अन्य मसलों पर कोई बात नहीं की। इन आठ हथियार बिक्री समझौतों में 82 उच्च गतिशीलता वाली तोपखाना रॉकेट प्रणाली (हिमार्स) और 420 सैन्य सामरिक मिसाइल प्रणाली शामिल हैं। ये वही प्रणालियां हैं जैसी पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन के दौरान अमेरिका ने रूस के खिलाफ आत्मरक्षा के लिए यूक्रेन को प्रदान की थीं। इनकी कुल कीमत चार अरब डॉलर से अधिक बताई गई है। इसके अलावा इस पैकेज में 60 स्वचालित होवित्जर प्रणालियां और उनसे जुड़े उपकरण भी शामिल हैं, जिनकी कीमत भी चार अरब डॉलर से अधिक है। साथ ही ड्रोन की बिक्री लगभग एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य की बताई गई है। वहीं अन्य सौदों में एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य का सैन्य सॉफ्टवेयर, 70 करोड़ डॉलर से अधिक के जैवेलिन और टीओडब्ल्यू मिसाइल, 9.6 करोड़ डॉलर के हेलीकॉप्टर के पुर्जे और हार्पून मिसाइलों के लिए 9.1 करोड़ डॉलर की नवीनीकरण किट शामिल हैं।

सुरक्षा उपायों के साथ चिकित्सीय आत्महत्या को मंजूरी, गवर्नर बोलीं- कुछ नियमों के साथ वैध बनाएंगे

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राज्य न्यूयॉर्क में सुरक्षा उपायों के साथ चिकित्सीय आत्महत्या को मंजूरी मिलने जा रही है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होसुल ने बताया कि डॉक्टरों की देखरेख में गंभीर रूप से बीमार मरीजों को चिकित्सीय आत्महत्या करने को कानूनी वैधता देने पर सहमत बन गई है। अगले साल इस कानून पर हस्ताक्षर हो जाएंगे।

अगले साल हस्ताक्षर के साथ बन जाएगा कानून : गवर्नर ने कहा, न्यूयॉर्क 'सुरक्षा उपायों' के साथ मेडिकल सहायता से आत्महत्या को कानूनी बनाने जा रहा है। बुधवार को गवर्नर और राज्य के कानूनी जानकारों के बीच हुए एक समझौते के तहत, न्यूयॉर्क गंभीर रूप से बीमार लोगों के लिए मेडिकल सहायता से आत्महत्या को कानूनी बनाने वाला राज्य बनने जा रहा है। डेमोक्रेटिक गवर्नर कैथी

होसुल ने बताया कि वह बिल में कई सुरक्षा उपायों को जोड़ने पर जोर देने के बाद अगले साल इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने की योजना बना रही हैं। अमेरिका में करीब एक दर्जन राज्यों में मेडिकल सहायता से आत्महत्या की अनुमति देने वाले कानून हैं। हाल ही में इलिनोइस राज्य में भी हाल ही में ऐसा कानून बना है, जिस पर अगले साल हस्ताक्षर होंगे। न्यूयॉर्क के मेडिकल एड इन डाइंग एक्ट के लिए यह जरूरी है कि एक गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति, जिसके छह महीने के भीतर मरने की उम्मीद है, वह जीवन समाप्त करने वाली दवाओं के लिए लिखित अनुरोध करे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि रोगी पर कोई दबाव नहीं डाला जा रहा है, दो गवाहों को अनुरोध पर हस्ताक्षर करने होंगे। इसके बाद अनुरोध को व्यक्ति के इलाज करने वाले डॉक्टर के साथ-साथ एक सलाहकार डॉक्टर द्वारा भी अनुमोदित किया जाना होगा।

कुछ प्रावधानों को जोड़ने पर बनी सहमति : गवर्नर ने कहा कि बिल के प्रायोजकों और कानूनी जानकारों ने ऐसे प्रावधान जोड़ने पर सहमति व्यक्त की है जिसमें एक मेडिकल डॉक्टर से पुष्टि की जरूरत होगी कि व्यक्ति के पास वास्तव में जीने के लिए छह महीने से कम समय बचा है, साथ ही एक मनोवैज्ञानिक या मनोचिकित्सक से पुष्टि की जाएगी कि रोगी निर्णय लेने में सक्षम है और उस पर कोई दबाव नहीं है। बुधवार को होसुल ने कहा कि इस बिल को सपोर्ट करना गवर्नर के तौर पर उनके सबसे मुश्किल फैसलों में से एक था। उन्होंने कहा, 'मैं कौन होती हूं जो आपको या आपके किसी अपने को, जो ज़िंदगी के आखिरी समय में जिस चीज की मांग रहे हैं, उसे देने से मना करूं? मैं अब ऐसा और नहीं कर सकती थी।' यह कानून पहली बार साल 2016 में पेश किया गया था।

पुलित्जर विजेता पत्रकार पीटर अर्नेट का निधन, गोलियों और बमों के बीच दशकों तक की रिपोर्टिंग

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। वियतनाम के धान के खेतों से लेकर इराक के रेगिस्तानों तक युद्धों की प्रत्यक्ष रिपोर्टिंग दुनिया तक पहुंचाने वाले, गोलियों और बमों से बचते हुए दशकों तक काम करने वाले पुलित्जर पुरस्कार विजेता पत्रकार पीटर अर्नेट का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। एसोसिएटेड प्रेस के लिए वियतनाम युद्ध की रिपोर्टिंग पर 1966 में अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टिंग का पुलित्जर पुरस्कार जीतने वाले अर्नेट का बुधवार को न्यूपोर्ट बीच में निधन हुआ। उनके बेटे एंड्रयू अर्नेट ने बताया कि उस समय वे दोस्तों और परिवार से घिरे हुए थे। उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके बेटे एंड्रयू अर्नेट ने

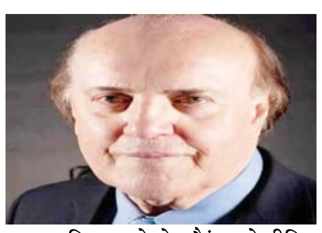

बताया कि वह प्रोस्टेट कैंसर से पीड़ित थे। वायर सेवा संवाददाता के रूप में अर्नेट 1962 से 1975 में युद्ध समाप्त होने तक वियतनाम में रिपोर्टिंग करते रहे और उस दौरान वे मुख्य रूप से अन्य पत्रकारों के बीच ही जाने जाते थे। हालांकि 1991 में सीएनएन के लिए पहले खाड़ी युद्ध की लाइव रिपोर्टिंग करने के बाद वे आम लोगों के बीच भी एक जाना-पहचाना नाम बन गए। एडिथ लेडरर 1972-73 में वियतनाम युद्ध के दौरान उनकी साथी व एसोसिएटेड प्रेस की संवाददाता थीं। उन्होंने कहा, पीटर अर्नेट अपने समय के युद्ध कवर करने वाले महान संवाददाताओं में से एक थे। वह निडर, साहसी और बेहतरीन लेखक थे। उनकी रिपोर्टिंग आने वाली पीढ़ियों के पत्रकारों और इतिहासकारों के लिए प्रेरणा बनी रहेगी। 1962 से 1975 तक अर्नेट वियतनाम में रिपोर्टिंग करते रहे। उन्होंने 1991 में पहले खाड़ी युद्ध के दौरान इराक से लाइव अपडेट देकर दुनियाभर में प्रसिद्धि हासिल की। अमेरिकी नेतृत्व वाले हमले से पहले अधिकांश पश्चिमी पत्रकार बगदाद छोड़ चुके थे, लेकिन अर्नेट वहीं रहे। मिसाइल हमलों के बीच उन्होंने अपने होटल से फोन से लाइव रिपोर्टिंग की। उन्होंने 1966 में अमेरिकी सैनिकों की बटालियन के साथ नॉर्थ वियतनामी स्नाइपरों के खिलाफ ऑपरेशन में भाग लिया। उन्होंने याद किया कि एक गोली बटालियन कमांडर को लगी, जो उनके सामने गिर गए। अर्नेट ने वियतनाम में काम करने से एक साल पहले एसोसिएटेड प्रेस में इंडोनेशिया के संवाददाता के रूप में अपनी नौकरी शुरू की थी। इंडोनेशिया की अर्थव्यवस्था पर रिपोर्ट करने के बाद उन्हें देश से निकाल दिया गया।

वेनेजुएला के खिलाफ युद्ध पर अड़े ट्रंप, सैन्य कार्रवाई रोकने की अमेरिकी संसद की कोशिश भी बेकार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका ने वेनेजुएला की घेराबंदी बढ़ा दी है, जिसके बाद वेनेजुएला ने अमेरिका पर युद्ध थोपने का आरोप लगाया। बुधवार को कुछ डेमोक्रेट सांसदों ने अमेरिकी कांग्रेस में एक प्रस्ताव पेश किया गया, जिसमें वेनेजुएला के खिलाफ ट्रंप की सैन्य कार्रवाई को रोकने की मांग की गई थी, लेकिन सदन के रिपब्लिकन सांसदों ने इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया, जिसके बाद यह खारिज हो गया। डेमोक्रेट्स के समर्थन वाला प्रस्ताव खारिज ट्रंप ने दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के खिलाफ कार्रवाई बढ़ा दी हैं। जिस पर कांग्रेस ने भी सवाल उठाया। अमेरिकी सेना कैसे एक अभियान चला रही है, जिसके तहत कैरेबियाई क्षेत्र में कथित तौर पर ड्रग्स ले जा रहे 26 जहाजों को निशाना बनाया गया है और बुधवार को हुए एक हमले सहित इन हमलों में कम से कम 99 लोगों की मौत हुई है। अमेरिका ने वेनेजुएला की घेराबंदी कर दी है और अपने युद्धपोतों को तैनात कर दिया है। डेमोक्रेट्स ने युद्ध शक्तियों के प्रस्तावों का इस्तेमाल करके वोटिंग करवाई। इस प्रस्ताव के तहत ट्रंप प्रशासन को वेनेजुएला के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने के लिए कांग्रेस की अनुमति लेना जरूरी हो जाता। रिपब्लिकन सांसदों ने ट्रंप के अभियान का समर्थन किया हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के शीर्ष डेमोक्रेट सांसद, ग्रेगरी मीक्स ने तर्क दिया कि वेनेजुएला के खिलाफ ट्रंप की आक्रामकता असल में इसलिए है क्योंकि राष्ट्रपति वेनेजुएला के तेल पर नजर गड़ाए हुए हैं। हालांकि रिपब्लिकन नेताओं ने ट्रंप के अभियान का लगातार समर्थन किया है। सीनेट के बहुमत दल के नेता जॉन थून ने बुधवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन चाहते हैं, और अगर ऐसा है तो मुझे निश्चित रूप से कोई समस्या नहीं है। मादुरो ने आरोप लगाया, 'अमेरिका, वेनेजुएला में लक्ष्य सत्ता परिवर्तन करके एक कठपुतली सरकार थोपना चाहता है जो 47 घंटे भी नहीं टिकेगी, जो संविधान, संप्रभुता और सारी संपत्ति सौंप देगी। इससे वेनेजुएला एक उपनिवेश बन जाएगा, लेकिन ऐसा कभी नहीं होगा।' वहीं मंगलवार को ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'वेनेजुएला के आसपास सैन्य तैनाती तब तक बढ़ेगी जब तक वेनेजुएला अमेरिका को तेल, ज़मीन और अन्य संपत्ति जो उन्होंने पहले हमसे चुराई थी, वापस नहीं कर देता।

अमेरिकी सीनेटर ने भारत-चीन से आने वाली जेनेरिक दवाओं पर बढ़ती निर्भरता पर जताई चिंता

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के एक सीनेटर ने भारत और चीन समेत दूसरे देशों में बनी जेनेरिक दवाओं पर बढ़ती निर्भरता को लेकर गंभीर चिंता जताई है। सीनेटर रिक स्कॉट का कहना है कि भारत और चीन से आने वाली जेनेरिक दवाएं पर बढ़ती निर्भरता अमेरिकी परिवारों के लिए खतरा बन सकती है। सीनेट की स्पेशल कमेटी ऑन एजिंग के अध्यक्ष सीनेटर रिक स्कॉट ने बुधवार (स्थानीय समय) को कहा कि अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली जेनेरिक दवाओं और उनके कच्चे रसायनों का बड़ा हिस्सा विदेशों में बनता है। यह स्थिति न सिर्फ सार्वजनिक स्वास्थ्य बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। रिक स्कॉट ने कहा, 'जो भी अमेरिकी दूसरे देशों में बनी जेनेरिक दवाओं पर निर्भर है, उसे अपनी दवाओं में छिपे इंग्रीडिएंट्स के बारे में जानने का हक है।' उनकी समिति अमेरिका की दवा आपूर्ति श्रृंखला में मौजूद कमजोरियों को उजागर करने के लिए एक बार फिर सक्रिय हुई है। सीनेटर स्कॉट इस मुद्दे पर समिति की वरिष्ठ सदस्य सीनेटर किर्स्टन गिलिब्रैंड के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इसके तहत कई जांच, सुनवाई और सरकारी एजेंसियों और उद्योग जगत के साथ संवाद किए गए हैं। सीनेटर स्कॉट के अनुसार, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली जेनेरिक दवाओं में लगभग 80 प्रतिशत एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) विदेशों से आते हैं। इनमें से कई दवाएं असुरक्षित और गंदी फैक्ट्रियों में तैयार की जाती हैं, जहां निरीक्षण बहुत कम होता है। कुछ मामलों में इन दवाओं से गंभीर स्वास्थ्य नुकसान होता है। उन्होंने कहा, 'ये दवाएं लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकती हैं। इसके अलावा, विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता एक रणनीतिक कमजोरी भी है। 'स्कॉट ने चेतावनी दी कि चीन किसी भी समय दवाओं की आपूर्ति

रोक सकता है, जिससे बुजुर्गों, सेना के जवानों और आम अमेरिकियों को जरूरी दवाएं नहीं मिल पाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही विदेशी फैक्ट्रियों में कुछ अचानक निरीक्षण किए जा रहे हों, लेकिन अमेरिकी एफडीए अमेरिका के बाहर स्थित दवा इकाइयों की तुलना में देश के भीतर कहीं ज्यादा निरीक्षण करता है। कई बार विदेशी कंपनियों को नियमों के उल्लंघन पर भी छूट दे दी जाती है ताकि सप्लाई चेन बाधित न हो। समिति की एक जांच रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिका में दवाओं का घरेलू उत्पादन तेजी से घटा है। वर्ष 2024 में अमेरिका ने अपनी जरूरत की सिर्फ 37 प्रतिशत दवाएं खुद बनाईं, जबकि 2002 में यह आंकड़ा 83 प्रतिशत था। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाले 95 प्रतिशत आइबुप्रोफेन, 70 प्रतिशत पैरासिटामोल और 45 प्रतिशत से अधिक पेनिसिलिन चीन से आते हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि दुनियाभर में एंटीबायोटिक दवाओं में इस्तेमाल होने वाले लगभग 90 प्रतिशत एपीआई चीन में बनते हैं। वहीं, अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली शीर्ष 100 जेनेरिक दवाओं में से 83 प्रतिशत के एपीआई का कोई भी स्रोत अमेरिका में नहीं है। भारत की भूमिका भी इस आपूर्ति श्रृंखला में अहम है। अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली लगभग 50 प्रतिशत जेनेरिक दवाएं भारत से आती हैं, लेकिन भारतीय कंपनियां भी अपने लगभग 80 प्रतिशत एपीआई के लिए चीन पर निर्भर हैं। समिति ने 2025 के एक अध्ययन का हवाला दिया, जिसमें कहा गया कि भारत में बनी जेनेरिक दवाओं से जुड़े गंभीर दुष्प्रभाव अमेरिका में बनी समान दवाओं की तुलना में 54 प्रतिशत अधिक पाए गए। इन दुष्प्रभावों में स्थायी विकलांगता या मौत जैसे जोखिम शामिल हैं। सीनेटर स्कॉट ने कहा कि अमेरिकियों को अपनी दवाओं की सुरक्षा और उपलब्धता को लेकर 'जुआ खेलने' के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने दवा प्रणाली में भरोसा बहाल करने के लिए तत्काल सुधारों की मांग की। समिति की रिपोर्ट में कई सुझाव दिए गए हैं, जिनमें जरूरी दवाओं के लिए अमेरिकी निर्मित उत्पादों को प्राथमिकता देने वाला फेडरल बायर मार्केट बनाना, दवा आपूर्ति श्रृंखला की मैपिंग, दवाओं के मूल देश की जानकारी अनिवार्य करना, व्यापारिक जांच जैसे सेक्शन 232 का इस्तेमाल, 'मेड इन अमेरिका' लेबल के दुरुपयोग को रोकना और अमेरिकी बायोटेक्नोलॉजी को बढ़ावा देना शामिल है।

ट्रैविस हेड ने ब्रैडमैन और स्मिथ के बाद बनाया खास रिकॉर्ड, इंग्लैंड को एडिलेड में खूब 'पीटा'

एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई स्टार बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने शुक्रवार को अपने घरेलू स्टेडियम एडिलेड ओवल में इंग्लैंड को खूब 'पीटा' (शतक) और डॉन ब्रैडमैन तथा स्टीव स्मिथ के साथ खास रिकॉर्ड बना दिया है। हेड शानदार शतक लगाने के बाद अपने देश के एक क्रिकेट मैदान पर लगातार 4 शतक लगाने वाले क्रिकेट दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

ट्रैविस ने मौजूदा एशेज सीरीज के दौरान अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। कप्तान बेन स्टोक्स और जोफ्रा आर्चर और ब्रायडन कार्स की शतकीय साझेदारी के बाद संघर्ष कर रही इंग्लैंड टीम के लिए उम्मीद और वादे से भरी सुबह की शुरुआत हुई जिसमें जेक वेदरल्ड को आउट करके शुरुआती विकेट लिया गया, लेकिन यह एक और बुरे सपने वाले दिन में बदल गया क्योंकि ट्रैविस ने इंग्लिश लाइन-अप की धुनाई की और दिन का अंत 196 गेंदों में शानदार 142* रन बनाकर किया जिसमें 13 चौके और दो छक्के शामिल थे, स्ट्राइक रेट 72 से अधिक था।

क्लार्क के बाद ऐसा करने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई

हेड पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क के बाद दूसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने जनवरी 2012 और दिसंबर 2014 के बीच एडिलेड में लगातार चार टेस्ट शतक बनाए हैं। उन्होंने 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ (175), 2024 में उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ (119) और पिछले साल भारत के खिलाफ (140) एडिलेड में शतक बनाए हैं। अब उन्होंने एक और शानदार शतक लगाया है जो उनके घरेलू स्टेडियम एडिलेड ओवल में उनके अविश्वसनीय प्रदर्शन को जारी रखता है।

दिग्गजों की लिस्ट में शामिल

हेड ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज डॉन ब्रैडमैन (1928 से 1932 तक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में), माइकल क्लार्क (2012 से 2014 तक एडिलेड में), स्टीव स्मिथ (2014 से 2017 तक ख्र्त्न में) और इंग्लिश दिग्गज वैली हैमंड (1928 से 1936 तक सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में) की एलीट कंपनी में शामिल हो गए हैं, जो किसी खास ऑस्ट्रेलियाई मैदान पर लगातार चार टेस्ट शतक बनाने वाले पांचवें बल्लेबाज हैं। एडिलेड ओवल में हेड ने आठ मैचों और 11 पारियों में 87.33 की औसत से 786 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं और उनका बेस्ट स्कोर 175 है।

इस साल टेस्ट में ट्रैविस हेड का रिकॉर्ड

इस साल 10 टेस्ट और 19 पारियों में उन्होंने 43.00 की औसत और 79.71 के स्ट्राइक रेट से 731 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक, तीन अर्धशतक और 142* का बेस्ट स्कोर शामिल है। चल रही एशेज सीरीज में हेड तीन मैचों और छह पारियों में 70.20 की औसत और 86.24 के स्ट्राइक रेट से 351 रन बनाकर सबसे आगे हैं, जिसमें दो शतक और 142* का बेस्ट स्कोर शामिल है।

भारत टीम के लिए खेला पाकिस्तान का मशहूर कबड्डी खिलाड़ी, झंडा भी लहराया, तस्वीरें वायरल होने पर बुरा फंसा

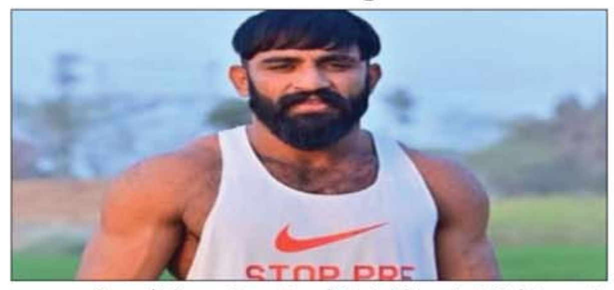

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तानी के लोकप्रिय अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि वह 16 दिसंबर को बहरीन में एक निजी टूर्नामेंट में भारतीय टीम के लिए खेले थे। जीसीसी कप में भारतीय शर्ट पहने और भारतीय झंडा लहराते हुए उबैदुल्लाह के वीडियो और तस्वीरें वायरल होने के बाद वह बड़ी मुश्किल में फंस गए हैं।

पाकिस्तान कबड्डी महासंघ (PKF) के सचिव राणा सरवर ने कहा कि पीकेएफ की एक आपात बैठक 27 दिसंबर को बुलाई गई है जिसमें इस मामले पर चर्चा की जाएगी और राजपूत तथा कुछ अन्य खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा।

सरवर ने कहा, 'मैं पुष्टि कर सकता हूं कि यह एक निजी टूर्नामेंट था जिसमें आयोजकों द्वारा प्रतियोगिता में भारत, पाकिस्तान, कनाडा, ईरान आदि नामों से निजी टीमें बनाई गई थीं लेकिन सभी टीमों में अपने-अपने देश के खिलाड़ी थे। भारतीय खिलाड़ियों ने भारतीय निजी टीम का प्रतिनिधित्व किया और उबैदुल्लाह उनके लिए खेले जो इन परिस्थितियों में स्वीकार्य नहीं है।'

सरवर ने यह भी दावा किया कि 16 पाकिस्तानी खिलाड़ी महासंघ या पाकिस्तान खेल बोर्ड से बिना किसी इजाजत के बहरीन गए थे। उन्होंने कहा, 'इसलिए इन खिलाड़ियों के खिलाफ भी पाकिस्तान टीम के नाम पर गलत तरीके से खेलने के लिए कार्रवाई की जाएगी।' राजपूत ने माफी मांगी है और साफ किया है कि उन्हें बहरीन में इस प्रतियोगिता में खेलने के लिए आमंत्रित किया गया था और उन्हें एक निजी टीम में शामिल किया गया। उन्होंने कहा, 'लेकिन मुझे बाद में पता चला कि उन्होंने टीम का नाम भारतीय टीम रखा था और मैंने आयोजकों से कहा कि वे भारत और पाकिस्तान के नाम इस्तेमाल नहीं करें।'

कुलदीप यादव को लियोनेल मेसी का खास तोहफा, भारतीय स्पिनर हुआ भावुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट और विश्व फुटबॉल का अनोखा संगम उस वक्त देखने को मिला, जब टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव को फुटबॉल के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी से साइन की हुई अर्जेंटीना जर्सी मिली। यह खास पल मेसी के 'त्नह्ख्न इंडिया टूर 2025' के दौरान राजधानी दिल्ली में देखने को मिला। इस मुलाकात ने न सिर्फ खेल प्रेमियों का दिल जीता, बल्कि यह दिखाया कि खेल सीमाओं और खेलों से परे एक-दूसरे को जोड़ने की ताकत रखते हैं।

लियोनेल मेसी के भारत दौरे के दौरान कुलदीप यादव को अर्जेंटीना की ऑटोग्राफ वाली जर्सी भेंट की गई। यह तस्वीर एडिडास इंडिया के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की गई, जिसमें कुलदीप के साथ भारत के नामी पैरा एथलीट भी नजर आए। इस खास मौके पर कुलदीप की खुशी साफ झलक रही थी, क्योंकि वह लंबे समय से मेसी

और एफसी बार्सिलोना के बड़े प्रशंसक रहे हैं।

इस आयोजन में सिर्फ कुलदीप यादव ही नहीं, बल्कि भारत के कई दिग्गज एथलीटों को मेसी से मिलने का मौका मिला। दो बार के पैरालंपिक भाला फेंक चैंपियन सुमित अंतिल, पैरा हाई-जंप स्टार निशाद कुमार, बॉक्सिंग की स्टार खिलाड़ी निकहत ज़रीन और महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर भी इस यादगार पल का हिस्सा बने।

भारत अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में पहुंचा, 11 साल बाद पाकिस्तान से होगा खिताबी मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। उप-कप्तान विहान मल्होत्रा की शानदार स्ट्रोक-प्ले को आरोन जॉर्ज के संयम ने बखूबी साथ दिया जिससे भारत अंडर-19 ने शुक्रवार को बारिश से प्रभावित सेमीफाइनल में श्रीलंका को 8 विकेट से हराकर अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में जगह बनाई।

बारिश के कारण मैच 20-20 ओवर का कर दिया गया जिसके बाद भारतीय गेंदबाजी यूनिट जिसने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है, ने श्रीलंका को 20 ओवर में 8 विकेट पर 138 रन पर रोक दिया। जवाब में बाएं हाथ के बल्लेबाज मल्होत्रा (45 गेंदों में 61 रन नाबाद), जिन्हें हाल ही में हुए IPL मिनी ऑक्शन में RCB ने खरीदा था, ने आसानी से फ्लिक और पुल शॉट खेलते हुए कुछ चौकों के अलावा दो छक्के भी लगाए। उनके साथी और इस टूर्नामेंट में भारत के संकटमोचक जॉर्ज (49 गेंदों में 58 रन नाबाद) ने अपने स्ट्रोक्स में तकनीकी रूप से परफेक्ट थे जिससे भारत ने 18 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। फाइनल में भारत की आठवीं उपस्थिति मल्होत्रा और जॉर्ज के बीच तीसरे विकेट के लिए अटूट 114 रन की साझेदारी पर आधारित थी।

दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया और ये दोनों पड़ोसी देश 11 साल के अंतराल के बाद महाद्वीपीय फाइनल में मिलेंगे। पिछली बार जब भारत -19 ने 2014 में एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराया था, तो उस टीम में श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, संजू सैमसन और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी शामिल थे।

भारत अंडर-19 की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जब किशोर IPL सनसनी आयुष म्हात्रे (7) और वैभव सूर्यवंशी (9) को तेज गेंदबाज रसिथ निमसार ने आउट कर दिया। म्हात्रे जिनका टूर्नामेंट खराब रहा है, निमसार की एक छोटी गेंद पर गलत टाइमिंग से पुल शॉट खेलने की कोशिश में आउट हो गए। निमसार ने सूर्यवंशी के लिए अपनी गति में बदलाव किया जिन्होंने बल्ले का मुंह बंद करने की कोशिश की लेकिन गेंद बल्ले के किनारे पर लगी और हवा में उछल गई।

हालांकि मल्होत्रा ने निमसार की गेंद पर फ्लिक करके छक्का लगाकर शुरुआत की और उसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जॉर्ज के मामले में ऑफ-स्पिनर कविजा गमागे की गेंद पर एक शानदार ड्राइव ने उनकी क्लास दिखाई। श्रीलंका अंडर19 अभी भी दुनिथ सिगेरा द्वारा फेंके गए 13वें ओवर तक मुकाबला कर रही थी, जहां मल्होत्रा ने पहले बाउंड्री के लिए एक छोटा, मजबूत पुल शॉट खेला, उसके बाद एक्स्ट्रा कवर के जरिए एक ड्राइव और फिर एक और फ्रंट-फुट पुल शॉट खेला जो घास के किनारे पर गिरा।

फील्डिंग चुनने के बाद भारतीय टीम की बॉलिंग यूनिट ने पहले 6 ओवरों में श्रीलंका को 28 रन पर 3 विकेट पर रोककर अच्छा प्रदर्शन किया जिसके बाद कप्तान विमथ दिंसारा (32) और चमिका हेनाटिगाला (42) ने अगले छह ओवरों में 45 रन जोड़कर पारी को संभाला। हालांकि यह सेथमिका सेनेविरत्ने की छोटी लेकिन तेज़ पारी थी - 22 गेंदों में 30 रन - जिसने श्रीलंका को 135 रन के पार पहुँचाया। भारत के लिए, स्पिनर कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल ने दो-दो विकेट लिए।

फाइनल के चार मिनट में बदला खेल, मोरक्को ने जॉर्डन को हराकर अरब कप का खिताब जीता

दोहा। अब्दररज्जाक हामेद अल्लाह के दो गोल से मोरक्को ने अतिरिक्त समय तक चले अरब कप के फाइनल में जॉर्डन को 3-2 से पछाड़कर खिताब अपने नाम किया। लुसैल स्टेडियम में हामेद अल्लाह ने 88वें मिनट में बराबरी का गोल दागा और फिर 100वें मिनट में विजयी गोल करके मोरक्को को 'अफ्रीका कप ऑफ नेशंस' से पहले अरब कप ट्रॉफी दिला दी। फाइनल के चार मिनट से भी कम समय में ओसामा तन्नाने ने सेंटर लाइन के पीछे से शानदार स्ट्राइक लगाकर मोरक्को को बढ़त दिलाई थी। अली ओलवान के 48वें मिनट में हेडर से गोल कर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया और 68वें मिनट में पेनल्टी से जॉर्डन को बढ़त दिला दी।

विश्व कप की तैयारियों के लिए खुद को चुनौती देना जरूरी : वरुण चक्रवर्ती

अहमदाबाद। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा कि टी20 विश्व कप की तैयारी में उनका पूरा ध्यान अपनी गेंदबाजी की लेंथ पर भरोसा करने, आत्मविश्वास बनाए रखने और आसान दिखने वाले मैचों में भी खुद को मानसिक रूप से चुनौती देने पर केंद्रित है। इस 34 साल के खिलाड़ी ने 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 51 विकेट लिए हैं। इसमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा पांच मैचों की श्रृंखला के शुरुआती तीन मैचों में लिए गए छह विकेट भी शामिल हैं।

भारत और श्रीलंका की मेजबानी में सात फरवरी से आठ मार्च तक होने वाले टी20 विश्व कप में भारत के खिताब की रक्षा के लिए चक्रवर्ती काफी अहम खिलाड़ी है। उन्होंने 'जियोस्टार' के 'फॉलो द ब्लूज' कार्यक्रम में कहा, '' विश्व कप की तैयारी के लिए खुद पर लगातार दबाव बनाए रखना बहुत जरूरी है।' कर्नाटक में जन्में इस गेंदबाज ने कहा, ''जब कोई चुनौती न हो तब भी आपको खुद को चुनौती देनी होगी। अगर कोई मैच आसान लगे तो आपको मानसिक रूप से दबाव बनाना होगा और खुद को चुनौती देना शुरू करना होगा।' उन्होंने कहा, 'उनके लिए आत्मविश्वास, सही लेंथ पर गेंदबाजी करना और विपक्षी टीम को समझना बहुत जरूरी है। यह एक अहम बात है जिसे मैं विश्व कप में ध्यान में रखना चाहता हूं। विपक्षी टीम को बेहतर ढंग से समझने से मुझे लगता है कि मैं अच्छा प्रदर्शन कर सकता हूं।' चक्रवर्ती ने कहा कि बुनियादी बातों पर टिके रहना और अपनी काबिलियत पर भरोसा रखना ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी हालिया सफलता की कुंजी रही है। उन्होंने कहा, 'मेरी योजना काफी सरल है, बुनियादी बातों पर ध्यान देना और अपनी लेंथ पर गेंदबाजी करना। कभी-कभी यह कारगर साबित होता है और शुक्र है कि पिछले तीन मैचों में यह कारगर रहा है। मैं अगले मैच में भी यही रणनीति अपनाऊंगा।'

विजय हजारे ट्रॉफी: मुंबई की संभावित टीम से रोहित-जायसवाल बाहर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 से पहले मुंबई क्रिकेट टीम को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ओपनर रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल के साथ-साथ ञ्20द्ब कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे को कथित तौर पर मुंबई की शुरुआती टीम में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, चयन समिति ने इस पर स्थिति साफ करते हुए संकेत दिए हैं कि इन खिलाड़ियों के लिए दरवाजे पूरी तरह बंद नहीं हुए हैं।

24 दिसंबर से शुरू होगा मुंबई का विजय हजारे अभियान

मुंबई की टीम 24 दिसंबर से विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 में अपने सफर की शुरुआत करेगी। टीम को एलीट ग्रुप ष्ट में रखा गया है और ग्रुप स्टेज के सभी मुकाबले जयपुर में खेले जाएंगे। इस बार टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को सौंपी गई है, जिनसे संतुलित नेतृत्व और ऑलराउंड प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

बड़े नाम शुरुआती टीम से बाहर

रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई की घोषित टीम में कई बड़े भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के नाम नहीं हैं। इनमें कप्तान रोहित शर्मा, युवा स्टार यशस्वी जायसवाल, भारत के टी20आई कप्तान सूर्यकुमार यादव और ऑलराउंडर शिवम दुबे शामिल हैं। इन खिलाड़ियों का बाहर होना फैंस के लिए चौंकाने वाला जरूर है, लेकिन इसके पीछे रणनीतिक और फिटनेस से जुड़े कारण माने जा रहे हैं।

बाहर होने का मतलब बाहर रहना नहीं

मुंबई चयन समिति ने साफ कर दिया है कि इन खिलाड़ियों का टीम सूची में नाम न होना यह तय नहीं करता कि वे टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे। चयनकर्ताओं के मुताबिक, जो भी भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उपलब्ध होंगे, उन्हें बाद में टीम में शामिल किया जा सकता है। यानी रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी जरूरत पड़ने पर विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

यशस्वी जायसवाल की फिटनेस पर नजर

यशस्वी जायसवाल के मामले में फिटनेस एक अहम कारण है। हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार शतक जड़ने के बाद उन्हें एक्यूट गैस्ट्रोएंटेराइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। हालांकि अब उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है, लेकिन उनकी मैच फिटनेस का अंतिम आकलन टूर्नामेंट शुरू होने के करीब किया जाएगा।

BCCI का खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलने का संदेश

गौरतलब है कि BCCI ने सभी भारतीय खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट, खासकर विजय हजारे ट्रॉफी में भाग लेने पर जोर दिया है। यह टूर्नामेंट 50 ओवर फॉर्मेट का सबसे बड़ा घरेलू इवेंट है और 11 जनवरी से शुरू होने वाली भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से पहले खिलाड़ियों के लिए अहम तैयारी मंच माना जा रहा है।

विराट कोहली का उदाहरण और मुंबई को उम्मीद

इस महीने की शुरुआत में विराट कोहली को दिल्ली की संभावित विजय हजारे टीम में शामिल किया गया था। इससे संकेत मिलता है कि रोहित शर्मा, जायसवाल और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी भी उपलब्धता के आधार पर अपनी-अपनी घरेलू टीमों के लिए खेल सकते हैं। अगर ये स्टार खिलाड़ी मुंबई के लिए उतरते हैं, तो टीम का विजय हजारे अभियान और भी मजबूत हो सकता है।

टी20 विश्वकप के लिए आज भारतीय टीम की घोषणा कर सकता है बीसीसीआई

मुम्बई। अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट के लिए शनिवार को भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। अब देखना होगा कि इसमें किन-किन खिलाड़ियों को अवसर मिलता है। भारतीय टीम नये साल की शुरुआत में जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर 5 मैच की टी20 सीरीज खेलेगी। जिसके बाद फरवरी में टी20 विश्वकप कप शुरु होगा। आमतौर पर आईसीसी टूर्नामेंट के लिए

टीमों को एक महीने पहले अपने दल घोषित करने होते है पर भारतीय बोर्ड अधिकतर अंतिम समय में ही टीम की घोषणा करता रहा है हालांकि इस बार माना जा रहा है कि बोर्ड टीम की घोषणा पहले ही कर सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई 20 दिसंबर को ही न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के साथ-साथ ही विश्वकप के लिए भी टीम की घोषणा कर सकता है। भारत की 15 सदस्यीय टी20 टीम और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीमों के चयन की बैठक शनिवार 20 दिसंबर को दोपहर होने की संभावना है। अब देखना होगा कि इसमें चोटिल बल्लेबाज शुभमन गिल को टीम में जगह मिलती है या नहीं। शुभमन फिट नहीं होने के कारण ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज नहीं खेल पाये थे। शुभमन का प्रदर्शन इस साल टी20 में अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में अगर वह फिट नहीं होते हैं तो उनकी जगह पर संजू सैमसन और यशस्वी जायसवाल में से किसी एक को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। वहीं पिछले काफी समय से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को भी टीम में जगह मिलने की उम्मीद है।

होल्डर गुजरात टाइटंस के लिए फायदेमंद साबित होंगे : पार्थिव

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने इस बार आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को सबसे अधिक 7 करोड़ रुपए में खरीदने को सही फैसला बताया है। टीम के सहायक कोच पार्थिव पटेल ने कहा है गुजरात टाइटंस की पिछले काफी समय से होल्डर पर नजरें थीं। पार्थिव ने कहा, हमने पिछले डेढ़ साल से होल्डर पर नजर बनाए रखी थी। वह टी20 क्रिकेट के एक बेहतरीन ऑलराउंडर हैं। उन्होंने सभी लीग में अच्छा खेला है। गुजरात टाइटंस हमेशा अनुभवी खिलाड़ियों को जोड़ने के लिए तैयार रहता है। हम सभी जानते हैं कि होल्डर कितने फायदेमंद हैं, वह अच्छी बल्लबाजी और गेंदबाजी करते हैं। वहीं युवा अशोक शर्मा को 90 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ने पर पार्थिव पटेल ने कहा, हम सभी को लगता है कि अशोक अच्छी तेज गेंदबाजी कर रहे हैं। हम टीम में एक प्रतिभाशाली अनकैप्ड तेज गेंदबाज को लाना चाहते थे और ये खोज अशोक के साथ पूरी हुई है। वहीं फेंचाइजी ने पृथ्वीराज यारा को 30 लाख रुपए में खरीदने के फैसले का भी बचाव किया है। इस युवा की प्रशंसा करते हुए कोच ने कहा, वह काफी समय से फर्स्ट-क्लास क्रिकेट खेल रहे हैं। बीच में उन्हें चोट भी लगी थी। वह हमारे लिए एक बाएं हाथ के गेंदबाज के तौर पर विविधता लाते हैं। हमें लगा कि पृथ्वीराज और अशोक का का संयोजन अच्छा रहेगा। हम उन्हें अपनी टीम में लाकर खुश हैं।

गुजरात टाइटंस टीम: रिटेंशन: अनुज रावत, ग्लेन फिलिप्स, गुरनूर सिंह बराड़, ईशांत शर्मा, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद अरशद खान, निशांत सिंधु, प्रसिद्ध कृष्णा, साई किशोर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, जयंत यादव, जोस बटलर, कगिसो रबाडा, कुमार कुशाग्र, मानव सुथार, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, शुभमन गिल और वाशिंगटन सुंदर।

नीलामी में खरीदारी: जेसन होल्डर (7 करोड़ रुपए), टॉम बैंटन (2 करोड़ रुपए), अशोक शर्मा (90 लाख रुपए), ल्यूक वुड (75 लाख रुपए) और पृथ्वी राज (30 लाख रुपए)।

गौतम गंभीर को लेकर कपिल देव का दो टूक: वो कोच नहीं, टीम संभालने वाले मैनेजर हैं!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज ऑलराउंडर और भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने आधुनिक कोच की परिभाषा पर ही सवाल उठाकर एक नई बहस छेड़ दी है। भारत के मौजूदा मुख्य कोच गौतम गंभीर पर उनकी तीखी टिप्पणियों ने दक्षिण अफ्रीका में भारत की हालिया टेस्ट सीरीज हार के बाद पहले से ही चल रही तीखी बहस को और हवा दे दी है। गंभीर की कोचिंग में भारत ने अब तक खेले गए 19 टेस्ट मैचों में से सात जीते हैं, दस हारे हैं और दो ड्रॉ रहे हैं। इनमें न्यूजीलैंड (0-3) और दक्षिण अफ्रीका (0-2) के खिलाफ घरेलू मैदान पर क्लीन स्वीप भी शामिल है।

टीम ने ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी 1-3 से गंवाई। गंभीर के कार्यकाल में एकमात्र टेस्ट सीरीज जीत बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर मिली हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में घरेलू मैदान पर हुई टेस्ट सीरीज में करारी हार के बाद गंभीर को बर्खास्त करने की मांग तेज हो गई है, प्रशंसक और विशेषज्ञ उनकी टीम चयन और रणनीति की आलोचना कर रहे हैं। इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के आईसीसी शताब्दी सत्र में बोलते हुए कपिल देव ने स्पष्ट किया कि समकालीन क्रिकेट में ÷कोच÷ शब्द को अक्सर गलत समझा जाता है।

उनके अनुसार, आज के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पारंपरिक अर्थों में कोच की नहीं, बल्कि एक कुशल प्रबंधक की आवश्यकता है। कपिल ने साफ तौर पर कहा कि गौतम गंभीर कोच नहीं हो सकते, लेकिन टीम के प्रबंधक के रूप में वे निश्चित रूप से भूमिका निभा सकते हैं। उनका तर्क खेल के विकास पर आधारित था। लेग स्पिनरों से लेकर विकेटकीपरों और तेज गेंदबाजों तक, हर खिलाड़ी की विशेषज्ञता को देखते हुए, कपिल ने सवाल उठाया कि एक व्यक्ति सभी को तकनीकी रूप से कैसे प्रशिक्षित कर सकता है। इसके बजाय, उन्होंने जोर दिया कि खिलाड़ियों के व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और अपेक्षाओं का प्रबंधन करना सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बन गई है।

कपिल देव की ये टिप्पणियां भारतीय क्रिकेट के लिए एक संवेदनशील समय पर आई हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 की हार के बाद गौतम गंभीर आलोचनाओं के घेरे में हैं। आलोचकों ने उनके खेलने के तरीके पर सवाल उठाए हैं, खासकर खिलाड़ियों को लगातार बदलने और अंशकालिक खिलाड़ियों पर निर्भरता पर, जिससे कई लोगों का मानना है कि टीम का संतुलन बिगड़ गया। कपिल ने रणनीति की सीधी आलोचना करने के बजाय व्यापक परिप्रेक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने सुझाव दिया कि गंभीर की ताकत

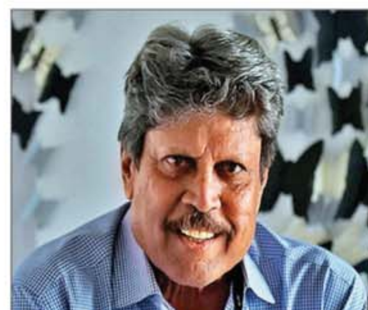

तकनीकी कोचिंग के बजाय खिलाड़ियों को बेहतर ढंग से संभालने में है, इस तरह उन्होंने पूर्व सलामी बल्लेबाज का परोक्ष रूप से बचाव करते हुए उनकी भूमिका से जुड़ी अपेक्षाओं को नए सिरे से परिभाषित किया।

भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 8 प्रतिशत बढ़कर 17.04 लाख करोड़ हो गया

नई दिल्ली ।

भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में अब तक (17 दिसंबर) 8 प्रतिशत बढ़कर 17.04 लाख करोड़ हो गया है। इसकी जानकारी केंद्र सरकार की ओर से शुक्रवार को दी गई। आयकर विभाग की ओर से बताया गया कि केंद्र सरकार का कुल सकल कर संग्रह इस साल एक अप्रैल से लेकर 17 दिसंबर तक 20.01 लाख करोड़ रुपए रहा है। इसमें सालाना आधार पर 4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। चालू वित्त वर्ष में अब तक 2.97 लाख करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया गया है। इसमें सालाना आधार पर 13.52 प्रतिशत की गिरावट आई है।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर में कॉरपोरेट टैक्स की हिस्सेदारी 8.17 लाख करोड़ रुपए रही है, जो कि बीते वित्त वर्ष की समान अवधि में 7.39 लाख करोड़ रुपए था। इसमें नॉन-कॉरपोरेट टैक्स की हिस्सेदारी 8.46 लाख करोड़ रुपए थी, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 7.96 लाख करोड़ रुपए थी। नॉन-कॉरपोरेट टैक्स में व्यक्तिगत कर और हिंदू अविभाजित परिवारों से वसूलने वाले कर को शामिल किया है। समीक्षा अवधि में सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स (एसटीटी) संग्रह 40,194.77 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 40,114.02 करोड़ रुपए था। चालू वित्त वर्ष में सरकार ने 25.20 लाख करोड़ रुपए के प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य रखा है, जो कि सालाना आधार पर 12.7 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ वित्त वर्ष 26 में सरकार को 78,000 करोड़ रुपए का एसटीटी

संग्रह होने का अनुमान है। कर संग्रह में इसतरह का इजाफा देखने को मिला है, जब आम बजट 2025 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नई कर प्रणाली के तहत कर छूट की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख रुपए कर दिया था। इससे बड़ी संख्या आयकर दाताओं का राहत मिली है।

एनसीएलटी के 50 और अपीली न्यायाधिकरण के 2 नए न्यायालय खोलने का रास्ता साफ

-केंद्रीय कैबिनेट ने मंजूरी दी

नई दिल्ली। कंपनी मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के 50 और अपीली न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के 2 नए न्यायालय खोलने का प्रस्ताव कैबिनेट के पास मंजूरी के लिए भेजा गया है। कंपनी मामलों के मंत्रालय ने बताया कि दिवाला और ऋण शोधन अक्षमता संहिता संशोधन विधेयक 2025 पर प्रवर समिति के साथ साझा की है। कंपनी मामलों के मंत्रालय ने समिति को बताया है कि वह 'आईबीसी प्रक्रिया के लिए न्यायनिर्णायक प्राधिकरण नियम' के तहत नियम बनाएगा, ताकि समयसीमा का पालन होना सुनिश्चित हो सके। मंत्रालय ने समिति को बताया कि 'यह फैसला करने वाले प्राधिकरणों की इंफ्रा, कार्यात्मक और प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यानपूर्वक करने के लिए किया जाएगा।

प्रवर समिति ने कहा, न्यायनिर्णायक प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित समय सीमा का पालन करने के लिए संबंधित प्रावधानों को सहायक कानूनों के साथ मजबूत करने की जरुरत हैं। विभिन्न हितधारकों ने समिति को बताया कि न्यायिक क्षमता का विस्तार करने या पीठों की संख्या बढ़ाने और इंफ्रा के सुधार के लिए वित्तीय आवंटन बढ़ाकर न्यायनिर्णय प्रक्रिया के पुनर्गठन की जरूरत है। एनसीएलटी में अध्यक्ष सहित सदस्यों की कुल स्वीकृत संख्या 63 है। एनसीएलटी के पीठों में 31 मार्च, 2025 तक केवल 3 पद रिक्त थे। मौजूदा आईबीसी ढांचे के तहत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान शुरू करने वाले आवेदन को 14 दिनों के भीतर स्वीकार होना चाहिए, जबकि हकीकत में दिवाला आवेदन स्वीकार करने में न्यायनिर्णायक प्राधिकरणों को औसतन एक साल से अधिक लग जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि सदस्यों की कमी और अपेक्षित संख्या न होने के कारण न्यायाधिकरण सप्ताह में केवल कुछ दिन या दिन में कुछ घंटे ही बैठते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि यहां तक कि उन न्यायाधिकरणों में, जहां कोई रिक्ति नहीं है, अपेक्षित इन्फ्रा के अभाव के कारण पीठों को रोटेशन के आधार पर कोर्टरूम या हॉल साझा करने के लिए मजबूर होने पड़ता है।

बिजली मंत्रालय आयात होने वाले सामानों की सूची तैयार कर रहा..........लोकल उत्पादन पर जोर

नई दिल्ली।

बिजली मंत्रालय वर्तमान में आयात होने वाले बिजली क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण वस्तुओं की सूची तैयार करने के लिए उद्योग के साथ काम में जुटा है। इसका मकसद इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन के लिए मदद देना है। सूची में सब सी केबल्स, परमानेंट मैग्नेट्स और उच्च चालकता वाली तांबे की छड़ें शामिल हैं। बिजली मंत्रालय की शाखा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने उद्योग निकाय इंडियन इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए) को भेज पत्र में कहा, 'मौजूदा परिदृश्य में यह पहल जरूरी है, क्योंकि बिजली क्षेत्र उन्नत उपकरणों के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। आयात पर निर्भरता के कारण इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संबंधी जोखिम जुड़े हैं और इनकी कीमतों के प्रति अत्यधिक संवेदनशीलता है।'

इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन से केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बल मिलेगा और इनके घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ग्रिड का लचीलापन और ऊर्जा की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। सीईए ने कहा, मंत्रालय के लिए आर्थिक रूप से ठोस प्रस्ताव तैयार करने के लिए एक यथार्थवादी, उद्योग-समर्थित मूल्यांकन आवश्यक है। प्राधिकरण ने आईईईएमए और एबीबी, आदित्य बिड़ला, ह्योसंग, पॉलिकैब, डोंग-वू क्वांटम इंडिया, स्टरलाइट, श्नाइडर, तोशिबा, केईसी और जिंदल एल्युमीनियम सहित उद्योग जगत के प्रमुख हितधारकों के साथ हाल ही में परामर्श के माध्यम से 73 महत्त्वपूर्ण वस्तुओं की एक सूची बनाई है।

चीनी उद्योग की चिंताओं को दूर करने अगले माह कुछ कदम उठाएगी केंद्र सरकार

केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने दिया भरोसा

नई दिल्ली।

केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने बताया कि केंद्र चीनी उद्योग की चिंताओं को दूर करने के लिए अगले माह कुछ फैसले करेगी। दरअसल, मांग से अधिक उत्पादन होने के कारण गन्ने का बकाया बढ़ने लगा है। यह फैसला चीनी का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने की लंबे समय से लंबित मांग से जुड़ा है। चीनी कारोबार चीनी का एमएसपी मौजूदा 22 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़ाकर करीब 41 रुपये प्रति किलोग्राम करने की मांग कर रहा है। इस क्रम में उद्योग गन्ने से एथनॉल बनाने के मौजूदा 28 प्रतिशत को बढ़ाकर आदर्श रूप से 50 प्रतिशत करने और चीनी का निर्यात मौजूदा 15 लाख टन से बढ़ाने की मांग भी कर रहा है। चीनी सत्र अक्टूबर से सितंबर तक होता है।

केंद्रीय खाद्य सचिव चोपड़ा ने इंडियन शुगर एंड बॉयो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (इस्मा) की वार्षिक बैठक में कहा, 'देखिए, वर्तमान में गन्ना बकाया ज्यादा बड़ा नहीं है।

हमें बताया गया है कि अगले महीने तक बकाया बढ़ना शुरू होगा। फिर खपत से अधिक चीनी का उत्पादन (2025-26 सत्र में) किसानों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर देगा। यह हम नहीं चाहते हैं। इसलिए अधिशेष को कम करने के लिए हम जो कुछ औश्र कर सकते हैं, और यकीनन करने वाले है। चोपड़ा ने कहा कि वर्तमान में उठाए कदमों के साथ इस्मा ने अनुमान लगाया है कि 2025-26 सत्र के अंत तक चीनी का समापन स्टॉक करीब 60 लाख टन होगा और सरकार इस कम करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी ताकि किसानों को बढ़ते बकाया के कारण नुकसान न हो।

उधर इस्मा के निवर्तमान अध्यक्ष गौतम गोयल ने कहा कि उनके प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार 30 नवंबर तक महाराष्ट्र में गन्ना बकाया पहले ही करीब 2,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है जबकि उत्तर प्रदेश के आंकड़े अभी भी प्रतीक्षित हैं। दरअसल, मॉनसून की अवधि बढ़ने के कारण उत्तर प्रदेश में पेराई देर से शुरू हुई।

देश के कुल चीनी उत्पादन में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है।

एयरटेल ने किया शीर्ष पदों पर बदलाव का ऐलान

गोपाल विट्ठल बने एक्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन; जनवरी 2026 से शाश्वत शर्मा संभालेंगे एमडी और सीईओ की कमान

नई दिल्ली।

भारतीय दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारती एयरटेल ने एक ऐतिहासिक उत्तराधिकार योजना के तहत अपने शीर्ष नेतृत्व में बड़े फेरबदल की घोषणा की है। पिछले तेरह वर्षों से कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ गोपाल विट्ठल अब 1 जनवरी 2026 से एक्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन की नई रणनीतिक भूमिका में नज़र आएंगे। उनके स्थान पर वर्तमान सीईओ डेजग्निेट शाश्वत शर्मा को कंपनी के नए मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह बदलाव एयरटेल की उस दूरदर्शी सोच का हिस्सा है, जिसके तहत नेतृत्व का हस्तांतरण बेहद सुव्यवस्थित तरीके से सुनिश्चित किया गया है।

गोपाल विट्ठल अपनी नई और व्यापक जिम्मेदारी में भारती एयरटेल सहित उसकी सभी सहायक कंपनियों की कमान संभालेंगे। उन पर समूह स्तर पर डिजिटल रूपांतरण, टेक्नोलॉजी, नेटवर्क रणनीति और टैलेंट मैनेजमेंट जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्रों को नई दिशा देने का अहम भार होगा। वहीं, शाश्वत शर्मा जो पिछले एक वर्ष से विट्ठल के साथ मिलकर व्यवसाय के हर पहलू पर काम कर रहे थे, अब भारतीय परिचालन का नेतृत्व करेंगे और सीधे विट्ठल को रिपोर्ट करेंगे। इस नेतृत्व परिवर्तन के साथ ही कंपनी ने अपने वित्तीय प्रबंधन को भी नई मजबूती दी है। वर्तमान सीएफओ सौमेन रे को अब ग्रुप चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर के उच्च पद पर नियुक्त किया गया है, जबकि एयरटेल के साथ 12 वर्षों का लंबा अनुभव रखने वाले अखिल गर्ग अब भारती एयरटेल इंडिया के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर का दायित्व संभालेंगे। प्रशासनिक स्तर पर रोहित पुरी को कंपनी सेक्रेटरी और कंप्लायंस ऑफिसर नियुक्त किया गया है, जबकि पंकज तिवारी ग्रुप कंपनी सेक्रेटरी के रूप में समूह स्तर पर अपनी सेवाएं जारी रखेंगे।

चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने नेतृत्व के इस हस्तांतरण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे निरंतरता और नई ऊर्जा का अनूठा संगम बताया है। उन्होंने कहा कि गोपाल विट्ठल के अनुभव और शाश्वत शर्मा की सक्रियता की यह जुगलबंदी एयरटेल को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टेलीकॉम कंपनी बनाने के संकल्प को और अधिक सशक्त करेगी।

रुपया तेजी के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को 62 पैसे की तेजी के साथ ही 89.65 पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस रुपया 10 पैसे की तेजी के साथ ही 90.27 पर बंद हुआ था। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गत दिवस रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.35 पर खुला। कारोबार के दौरान इसमें हल्की मजबूती देखी गई और यह 90.32 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। हालांकि शुरुआती सत्र में रुपये में कमजोरी भी दर्ज की गई और यह 90.38 के स्तर तक फिसल गया। बुधवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 98.41 पर रहा, जिससे उभरती मुद्राओं पर दबाव बना रहा।

श्रीराम फाइनेंस में 4 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करेगा जापान का एमयूएफजी समूह

नई दिल्ली। जापान की मित्सुबिशी यूएफजे वित्तीय समूह (एमयूएफजी) के श्रीराम फाइनेंस में चार अरब डॉलर से अधिक के निवेश की उम्मीद है। श्रीराम फाइनेंस भारत के निजी क्षेत्र की दूसरी सबसे बड़ी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है। सूत्रों ने बताया कि एमयूएफजी श्रीराम फाइनेंस में 20 प्रतिशत का हिस्सेदारी खरीदेगा और यहां भारतीय वित्तीय सेवा क्षेत्र के सबसे बड़े निवेशों में से एक हो सकता है। इस लेन देन के होने के बाद भी श्रीराम समूह एनबीएफसी का सबसे बड़ा शेयरधारक व प्रवर्तक रहेगा। सूत्रों के मुताबिक श्रीराम फाइनेंस की कॉरपोरेट पहचान बनी रहेगी। श्रीराम समूह की श्रीराम फाइनेंस में 24.98 प्रतिशत हिस्सेदारी है। श्रीराम समूह ने श्रीराम कैपिटल और श्रीराम वैल्यू सर्विसेज के जरिए श्रीराम फाइनेंस में निवेश किया है। इसमें दक्षिण अफ्रीका की सैनलाम लाइफ इंश्योरेंस की हिस्सेदारी 0.41 प्रतिशत है। इससे प्रवर्तक की कुल हिस्सेदारी 25.39 प्रतिशत हुई है। श्रीराम फाइनैंस को इस लेन देन के लिए ओपन ऑफर की आवश्यकता नहीं होगी। इसका कारण यह है कि हिस्सेदारी का अधिग्रहण पूरी तरह से शेयरों के प्राथमिक निर्गमन के माध्यम से किया जाएगा। श्रीराम फाइनैंस ने इस सप्ताह की शुरुआत में स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया कि उसका बोर्ड बैठक करेगा। इसमें राइट्स इश्यू, तरजीही आवंटन, योग्य संस्थानों के प्लेसमेंट या किसी अन्य तरीके से धन जुटाने के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा।

प्लेटिनम 18 साल के रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई। सोने-चांदी के दाम रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के साथ प्लेटिनम भी निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दे रहा है। ग्लोबल मार्केट में प्लेटिनम के दाम 18 साल के ऊंचे स्तर 1,975 डॉलर प्रति औंस (1,78,227 रुपए प्रति 28.35 ग्राम) पर पहुंच गए। निवेशक कमजोर होती करेंसी से संभावित नुकसान से बचाव (हेजिंग) के लिए प्लेटिनम में निवेश कर रहे हैं। सोना-चांदी जरूरत से ज्यादा महंगे होने से ये थोड़े सस्ते विकल्प नजर आ रहे हैं। 2025 में अब तक इसकी कीमत 121 प्रतिशत बढ़ चुकी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक भारत में प्लेटिनम की औसत कीमत 61,513 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। 2024 के आखिर में यह 27,560 रुपए और 2020 के आखिर में 24,910 रुपए थी।

इस महीने में 211 लाख टन कच्चे तेल का आयात, बिल यथावत रहा

-2026 में भी कच्चे तेल की कीमतों में नरमी रहने की संभावना

नई दिल्ली। नवंबर महीने में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में कच्चे तेल आयात की मात्रा में 11 फीसदी बढ़ोतरी हुई, जबकि आयात बिल यथावत रहा। पेट्रोलियम प्लानिंग ऐंड एनालिसिस सेल (पीपीएसी) के आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर में देश का तेल आयात बिल 9.9 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले की तुलना में अपरिवर्तित है। भारत ने इस महीने के दौरान 211 लाख टन कच्चे तेल का आयात किया, जो पिछले साल की समान अवधि में आयात किए गए 189 लाख टन की तुलना में काफी ज्यादा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ज्यादा आपूर्ति के डर के कारण 2025 में कच्चे तेल की कीमत कम रही है। इसकी वजह से ज्यादा तेल खरीद के बावजूद भारत का आयात बिल कम रहा। भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमत नवंबर 2025 में औसतन 64.31 डॉलर प्रति बैरल रही, जबकि पिछले साल यह 73.02 डॉलर प्रति बैरल थी। अप्रैल से नवंबर की अवधि में देश के कच्चे तेल का आयात बिल करीब 12 फीसदी घटकर 80.9 अरब डॉलर रह गया। आपूर्ति की अधिकता के डर और यूक्रेन व रूस के बीच शांति समझौते की उम्मीदों के बीच बेंचमार्क ब्रेंट इस सप्ताह की शुरुआत में गिरकर 60 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया, जो पिछले 5 सालों में सबसे कम है।

बिजली मंत्रालय आयात होने वाले सामानों की सूची तैयार कर रहा..........लोकल उत्पादन पर जोर

नई दिल्ली।

बिजली मंत्रालय वर्तमान में आयात होने वाले बिजली क्षेत्र की महत्त्वपूर्ण वस्तुओं की सूची तैयार करने के लिए उद्योग के साथ काम में जुटा है। इसका मकसद इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन के लिए मदद देना है। सूची में सब सी केबल्स, परमानेंट मैग्नेट्स और उच्च चालकता वाली तांबे की छड़ें शामिल हैं। बिजली मंत्रालय की शाखा केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने उद्योग निकाय इंडियन इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए) को भेज पत्र में कहा, 'मौजूदा परिदृश्य में यह पहल जरूरी है, क्योंकि बिजली क्षेत्र उन्नत उपकरणों के आयात पर बहुत अधिक निर्भर है। आयात पर निर्भरता के कारण इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संबंधी जोखिम जुड़े हैं और इनकी कीमतों के प्रति अत्यधिक संवेदनशीलता है।' इन वस्तुओं के लोकल उत्पादन से केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बल मिलेगा और इनके घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा, विदेशी मुद्रा की बचत होगी और ग्रिड का लचीलापन और ऊर्जा की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। सीईए ने कहा, मंत्रालय के लिए आर्थिक रूप से ठोस प्रस्ताव तैयार करने के लिए एक यथार्थवादी, उद्योग-समर्थित मूल्यांकन आवश्यक है। प्राधिकरण ने आईईईएमए और एबीबी, आदित्य बिड़ला, ह्योसंग, पॉलिकैब, डोंग-वू क्वांटम इंडिया, स्टरलाइट, श्नाइडर, तोशिबा, केईसी और जिंदल एल्युमीनियम सहित उद्योग जगत के प्रमुख हितधारकों के साथ हाल ही में परामर्श के माध्यम से 73 महत्त्वपूर्ण वस्तुओं की एक सूची बनाई है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 447, निफ्टी 150 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही ऑटो और रियल्टी शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के बारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 447.55 अंक बढ़कर 84,929.36 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 150.85 अंक उछलकर 25,966.40 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 1.67 फीसदी और निफ्टी ऑटो इंडेक्स 1.23 फीसदी ऊपर आया। इसके अलावा, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी, मीडिया, एनर्जी, प्राइवेट बैंक , इन्फ्रा और कमोडिटीज के शेयर लाभ में रहे। सेंसेक्स के शेयरों में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, ट्रेंट, एचयूएल, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों को नुकसान हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी हावी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 718 अंक बढ़कर 60,310.15 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 230.15 अंक उछलकर 17,390.35 पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स बाजार खुलने के बाद 337.06 अंक तेजी के साथ 84,818.87 अंक पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी भी 95.45 अंक की बढ़त के साथ ही 25,911.00 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आज एशिया-पैसिफिक बाजारों में खरीदारी देखने को मिली। निवेशक जापान के केंद्रीय बैंक के फैसले का इंतजार कर रहे हैं। अनुमान है कि बैंक ऑफ जापान ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है और दरें 0.75 फीसदी तक पहुंच सकती हैं। इस बीच जापान का निक्केई, ऑस्ट्रेलिया का एएसएसक्स 200 और दक्षिण कोरिया के कोस्पी में बढ़त रही। वहीं अमेरिकी बातार वॉल स्ट्रीट में बढ़त रही। एसएंडपी 500 ने चार कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद बढ़त दर्ज की। महंगाई के अनुमान से कम रहने वाले आंकड़ों से 2026 में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ी है।

2030 तक 50 लाख भारतीय छात्रों और युवाओं को एआई से प्रशिक्षित करेगी आईबीएम

मुंबई ।

आईबीएम ने भारत में कौशल विकास के लिए एक बड़े अभियान का ऐलान किया है। इसमें कहा गया है कि कंपनी 2030 तक 50 लाख भारतीय छात्रों और युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सुरक्षा और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षित करेगा। यह पहल आईबीएम स्किल्सबिल्ड के माध्यम से होगी, जिसका उद्देश्य देश में भविष्य के लिए तैयार कार्यबल का निर्माण करना है और छात्रों और वयस्कों को डिजिटल और नौकरी केंद्रित कौशल तक आसान पहुंच देना है। आईबीएम ने कहा कि कार्यक्रम के जरिए उन्नत तकनीक की शिक्षा को अधिक समावेशी और सुलभ बनाया जाएगा, इसके तहत स्कूल, विश्वविद्यालय और कारोबारी प्रशिक्षण संस्थानों में एआई और उभरती तकनीकी शिक्षा का विस्तार होगा।

आईबीएम, ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) जैसी संस्थाओं के साथ मिलकर एआई-केंद्रित पाठ्यक्रम, शिक्षक प्रशिक्षण, हैकथॉन और इंटर्नशिप जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देगा, जिसका मकसद छात्रों और शिक्षकों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। आईबीएम के चेयरमैन और सीईओ अरविंद कृष्णा ने कहा कि भारत में एआई और क्वांटम तकनीक में वैश्विक नेतृत्व करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि योजना से युवाओं को नई चीजें सीखने, नवाचार और देश के विकास में मदद करने का मौका मिलेगा।

आईबीएम स्कूलों में एआई शिक्षा को मजबूत कर रहा है। वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों के लिए एआई पाठ्यक्रम विकसित किया जा रहा है और शिक्षकों को एआई प्रोजेक्ट कुकबुक, शिक्षक मार्गदर्शिका और समझाने वाले मॉड्यूल जैसी सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इसका उद्देश्य छात्रों को कंप्यूटेशनल सोच और जिम्मेदार एआई की समझ देना है।

सेबी ने जीरो-कूपन बॉन्ड को 10,000 से कम डिनॉमिनेशन में जारी करने की दी अनुमति

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शर्तों में बदलाव करके जीरो-कूपन बॉन्ड को 10,000 रुपए के कम डिनॉमिनेशन में जारी करने की अनुमति दी है। इसके तहत जारीकर्ता निजी नियोजन के जरिये जारी अपरिवर्तनीय ऋण प्रतिभूतियों और अपरिवर्तनीय तरजीही शेयरों की फेस वैल्यू कम कर सकते हैं। पहले के एक सर्कुलर में सेबी ने जारी करने वालों को ऐसी प्रतिभूतियों की फेस वैल्यू घटाकर 10,000 रुपए करने की इजाजत दी थी, बशर्ते वे फिक्स्ड मैच्योरिटी वाले ब्याज या लाभांश देने वाले साधन हों और उन पर कोई स्ट्रक्चर्ड ऑब्लिगेशन न हो। हालांकि, इस शर्त ने जीरो-कूपन बॉन्ड को बाहर कर दिया, जो समय-समय पर ब्याज नहीं देते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाजार कारोबारियों की प्रतिक्रिया पर जवाब देते हुए सेबी ने माना कि जीरो-कूपन बॉन्ड समय-समय पर मिलने वाले कूपन के बजाय कीमत में बढ़ोतरी पर रिटर्न देते हैं। नियामक ने कहा कि ये बॉन्ड समय के साथ चक्रवृद्धि रिटर्न देते हैं और पोर्टफोलियो में विविधता लाने वाले निवेशक इनका ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं।

विशाल इंडिया
हिन्दी दैनिक

गौतमबुद्धनगर
शनिवार 20 दिसंबर 2025
Www.vishalindia.in

धुरंधर को मिला एयर इंडिया से खास प्यार, यामी गौतम ने दिखाई झलक

आदित्य धर के निर्देशन में बनी मल्टीस्टारर धुरंधर की दमदार कहानी और तगड़ी स्टारकास्ट को जमकर तारीफ मिल रही है। बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही फिल्म 200 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। फिल्म को एयर इंडिया ने भी खास अंदाज में सराहा। अभिनेत्री और फिल्म के निर्देशक आदित्य धर की पत्नी यामी गौतम ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एयर इंडिया की ओर से पति आदित्य धर को लिखा गया एक स्पेशल लेटर पोस्ट किया। लेटर में एयर इंडिया ने लिखा है कि क्रू मेंबर्स फिल्म से काफी प्रभावित हैं, 35,000 फीट की ऊंचाई पर जश्न! मिस्टर धर, एक अद्भुत और शानदार फिल्म बनाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यह फिल्म इतनी शानदार है कि हमारी पूरी टीम उत्साह और जोश से भर गई है। फ्लाइट नंबर का जिक्र करते हुए एयर इंडिया ने आगे लिखा, 12660 बेसब्री से इंतजार कर रहा है। धुरंधर रणवीर सिंह स्टारर एक्शन थ्रिलर है, जिसमें संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म 5 दिसंबर को रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। कुछ ही दिनों में यह 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है।

आमजन के साथ ही फिल्म जगत के सितारे भी फिल्म की जमकर तारीफ करते नजर आ रहे हैं। अल्लू अर्जुन, विवेक रंजन अग्निहोत्री, अशोक पंडित, राजकुमार राव, विक्की कौशल, ऋतिक रोशन, तारा शर्मा समेत अन्य एक्टर्स ने पोस्ट कर न केवल कहानी, बल्कि स्टारकास्ट को भी बेहतरीन बताया। वहीं, रोहित शेट्टी ने धुरंधर को नया सिनेमा तक कह दिया। जासूसी और देशभक्ति से भरपूर फिल्म की बड़ी सफलता के बाद सीक्वल भी आने की तैयारी में है। मेकर्स ने हाल ही में ऐलान कर बताया कि धुरंधर पार्ट 2 अगले साल मार्च में रिलीज होगी।

बार-बार देखने का मन करता है 'धुरंधर': एलनाज नौरोजी

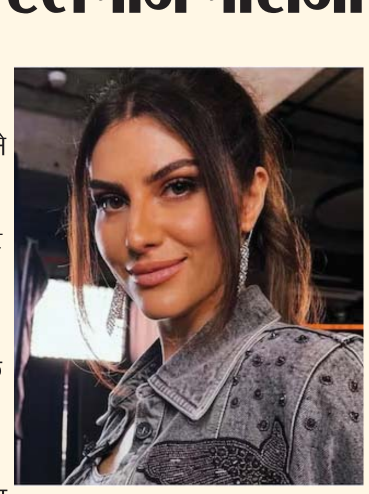

स्पाई-थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। पिछले 5 दिसंबर को रिलीज़ हुई इस फिल्म ने अब तक 250 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म की इंडस्ट्री के सितारे भी जमकर सराहना कर रहे हैं। हाल ही में ईरानी मूल की अभिनेत्री और मॉडल एलनाज नौरोजी ने भी 'धुरंधर' की खुलकर तारीफ की है। एलनाज नौरोजी ने फिल्म की प्रशंसा के लिए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन का सहारा लिया। उन्होंने 'धुरंधर' का पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म को लेकर अपनी भावनाएं जाहिर कीं। एलनाज ने न सिर्फ फिल्म की कहानी की तारीफ की, बल्कि निर्देशक आदित्य धर और पूरी स्टारकास्ट को भी सराहा। उन्होंने लिखा कि फिल्ममेकिंग अपने बेहतरीन स्तर पर नजर आती है और आदित्य धर ने एक बार फिर खुद को साबित किया है। इसके साथ ही उन्होंने रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, संजय दत्त और अक्षय खन्ना की एक्टिंग को बेजोड़ बताया। एलनाज ने अपनी पोस्ट में यह भी साझा किया कि वह सिनेमा से गहराई से जुड़ी हुई हैं, लेकिन आमतौर पर किसी भी फिल्म को दो बार देखने से बचती हैं। हालांकि 'धुरंधर' उनके लिए एक अपवाद साबित हुई है। उन्होंने लिखा कि यह फिल्म इतनी प्रभावशाली है कि वह इसे तीन, चार या उससे भी ज्यादा बार देखना चाहेंगी। उनके मुताबिक, फिल्म की कहानी, अभिनय और तकनीकी पक्ष इतने मजबूत हैं कि हर बार देखने पर कुछ नया महसूस होता है। 'धुरंधर' को लेकर सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त चर्चा है। भारत की इंटेलिजेंस एजेंसियों की बहादुरी और जियोपॉलिटिकल मुद्दों पर आधारित इस फिल्म में रणवीर सिंह ने एक रॉ एजेंट की भूमिका निभाई है। उनके साथ अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, राकेश बेदी और सारा अर्जुन जैसे कलाकार अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी कंधार हाइजैक और 26/11 जैसे सच्चे और संवेदनशील घटनाक्रमों से प्रेरित बताई जा रही है। हालांकि जबरदस्त तारीफों के बीच फिल्म को कुछ आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा है। कुछ क्रिटिक्स ने इसे 'प्रोपेगेंडा' करार दिया है, लेकिन इसके बावजूद दर्शकों की भीड़ और बॉक्स ऑफिस आंकड़े साफ तौर पर फिल्म की लोकप्रियता बयान कर रहे हैं।

जहीर और सोनाक्षी एक-दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं: शत्रुघ्न सिन्हा

इंटरफेथ मैरिज होने की वजह से बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और अभिनेता जहीर इकबाल का रिश्ता सोशल मीडिया पर लगातार बहस का विषय बना रहा, जहां कई बार सोनाक्षी और उनके परिवार को आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा। हाल ही में सोनाक्षी के पिता और वरिष्ठ अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने बेटी और दामाद के रिश्ते को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। जब उनसे पूछा गया कि सोनाक्षी और जहीर का रिश्ता कैसा है, तो उन्होंने बिना किसी झिझक के कहा कि दोनों का बॉन्ड बेहद मजबूत और प्यारा है। शत्रुघ्न सिन्हा के मुताबिक, जहीर और सोनाक्षी एक-दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं और ऐसा लगता है जैसे वे एक-दूसरे के लिए ही बने हों। उन्होंने यह भी बताया कि सोनाक्षी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए कहा था कि जहीर उनके जीवन के सबसे अहम शख्स हैं। शत्रुघ्न ने मुस्कराते हुए कहा कि सोनाक्षी मानती हैं कि उनके जीवन में केवल दो हीरो हैं। शत्रुघ्न सिन्हा ने हमेशा अपनी बेटी के फैसलों का समर्थन किया है। इससे पहले भी वे साफ कह चुके हैं कि सोनाक्षी का यह निर्णय पूरी तरह सही है और उन्हें इसमें कुछ भी गलत नजर नहीं आता। उन्होंने दो टूक कहा कि बेटी की खुशी ही उनके लिए सबसे बड़ी खुशी है और वही उनके लिए मायने रखती है। इसी बीच, एक पॉडकास्ट में सोनाक्षी सिन्हा ने इंटरफेथ मैरिज और ट्रोलिंग को लेकर भी अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि इस तरह की बातें केवल शोर हैं, जिनका उनकी निजी जिंदगी से कोई लेना-देना नहीं है। सोनाक्षी ने यह भी कहा कि वह पहली महिला नहीं हैं जिन्होंने ऐसा फैसला लिया हो और न ही आखिरी होंगी। उनके मुताबिक, वह एक आत्मनिर्भर और सफल महिला हैं, जो अपने फैसले खुद लेने में सक्षम हैं। इसी वजह से उन्होंने अपनी शादी को शोर-शराबे से दूर, बेहद निजी और खास तरीके से सेलिब्रेट किया। हालांकि सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने शत्रुघ्न सिन्हा के समर्थन को लेकर नकारात्मक टिप्पणियां भी कीं, लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि वे हमेशा अपनी बेटी और दामाद के साथ खड़े रहेंगे। परिवार का यही प्यार और समर्थन सोनाक्षी और जहीर के रिश्ते को और भी मजबूत बनाता नजर आता है। बता दें कि सोनाक्षी सिन्हा और अभिनेता जहीर इकबाल की शादी को अब एक साल से ज्यादा का वक्त बीत चुका है, लेकिन उनकी जोड़ी आज भी उतनी ही चर्चा में है जितनी शादी के वक्त थी। 23 जून 2024 को सात साल की लंबी डेटिंग के बाद दोनों ने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी।

फराह और कुनिका ने किया जीवन के अनुभवों को सांझा

बॉलीवुड फिल्ममेकर एवं कोरियोग्राफर फराह खान और अभिनेत्री कुनिका सदानंद के बीच हुई एक बातचीत इन दिनों चर्चा में है। फराह खान हाल ही में कुनिका सदानंद के घर पहुंचीं, जहां दोनों के बीच रिश्तों, आदतों और जीवन के अनुभवों को लेकर खुलकर बात हुई। बातचीत के दौरान माहौल हल्का-फुल्का भी रहा और भावनात्मक भी, जब फराह ने हंसते हुए कुनिका को सलाह दी कि अब शायद उन्हें नया बॉयफ्रेंड ढूंढ लेने का वक्त आ गया है। इस मजाक की शुरुआत उस समय हुई, जब कुनिका ने 'बिग बॉस 19' से जुड़ा एक पुराना किस्सा याद किया। उन्होंने बताया कि शो के दौरान फराह खान ने उनके व्यवहार पर टिप्पणी करते हुए उन्हें कंट्रोल फ्रीक कहा था। कुनिका ने स्वीकार किया कि उस वक्त यह बात उन्हें बहुत बुरी लगी थी और वह अंदर से टूट गई थीं।

उन्होंने बताया कि फराह की उस टिप्पणी के बाद वह रो पड़ी थीं और लंबे समय तक खुद को लेकर सोचती रहीं। हालांकि समय बीतने के साथ उन्होंने उस बात को समझने की कोशिश की और अपने व्यवहार पर आत्ममंथन किया। कुनिका ने कहा कि उस घटना के बाद उन्होंने अपने रिश्तों को नए नजरिए से देखना शुरू किया। उन्हें एहसास हुआ कि वह लोगों को जरूरत से ज्यादा प्यार और ध्यान देती थीं, जिससे कई बार सामने वाले को घुटन महसूस होती थी। वह हर रिश्ते में चीजों को संभालने और नियंत्रित करने की कोशिश करती थीं, चाहे वह दोस्ती हो, प्यार हो या पारिवारिक रिश्ता। जब उन्होंने धीरे-धीरे इस आदत को कम किया, तो उन्हें अपने भीतर सकारात्मक बदलाव महसूस हुआ।

कुनिका ने फराह से कहा कि अब उन्हें लगता है कि उस समय कही गई बात पूरी तरह गलत नहीं थी और कई बार ज्यादा केयर भी रिश्तों को बोझिल बना देती है। कुनिका की यह बात सुनकर फराह खान ने हंसते हुए कहा कि अब तो नया बॉयफ्रेंड बनाने का सही समय आ गया है। इसके बाद फराह ने भी अपनी निजी जिंदगी से जुड़ा अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्मों के सेट पर हर चीज को कंट्रोल करने की आदत धीरे-धीरे उनकी निजी जिंदगी में भी आ गई थी। लेकिन समय के साथ उन्होंने समझा कि हर चीज पर नियंत्रण जरूरी नहीं होता। अब वह घर में चीजों को छोड़ना, परिवार को फैसले लेने की आजादी देना और बेवजह का तनाव न लेने की कोशिश करती हैं।

मां हमेशा हौसला देती थी: पारुल गुलाटी

बॉलीवुड फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म रिलीज होने पर पारुल गुलाटी ने अपनी खुशी जाहिर की। अभिनेत्री का कहना है कि यह फिल्म उनके लिए खास है। उनकी पहली फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने 15 साल के लंबे सफर की कहानी सुनाई। पारुल ने बताया कि उनकी मां हमेशा हौसला देती थी और कहती थीं कि तेरी किस्मत का कोई नहीं छीन सकता। अगर ऊपर वाले की मेहर होगी, तो तुझे वो भी मिल जाएगा, जो तेरी नहीं है।

पारुल ने अपने सफर को याद करते हुए कहा, मैंने अपने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। उसके बाद वेब सीरीज की, पंजाबी फिल्में भी की, लेकिन वो भी ज्यादा नहीं चली। फिर मैंने जाकर बिजनेस शुरू किया। कई बार लगा शायद एक्टिंग मेरे लिए नहीं है, लेकिन इस बीच मुझे कभी एक्टिंग छोड़ने का ख्याल नहीं आया, क्योंकि एक्टिंग मेरे लिए एक शादी की तरह है और बिजनेस मेरा बच्चा है।

अभिनेत्री ने बताया कि जब-जब उन्हें रिजेक्शन मिलते थे, तो उनके मन में सवाल उठता था कि कहीं मेरे में तो कमी नहीं है। लेकिन, मां समझाती थीं, निशु, तुम्हारे लिए इससे बेहतर कुछ लिखा है।

अभिनेत्री ने लिखा, 15 साल का इंतजार, ये सब ज्यादा है, या फिर कम मुझे नहीं पता, लेकिन आज जब मेरी पहली बॉलीवुड फिल्म थिएटर में लगी है, तो बहुत भावुक हूं। आज मुझे भगवान और किस्मत पर यकीन हो गया है। अभिनेत्री के पोस्ट शेयर करने के बाद फैंस और दोस्तों ने कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दी। कंटेंट क्रिएटर नेन्सी त्यागी और शनाया कपूर ने हार्ट इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। बतादें कि कॉमेडी किंग कपिल शर्मा की फिल्म में उनके साथ आयशा खान, पारुल गुलाटी, त्रिधा चौधरी, हीरा वरीना और मनजोत सिंह भी हैं।

यूलिया ने अपनी मातृभाषा में रिलीज़ किया पहला गीत

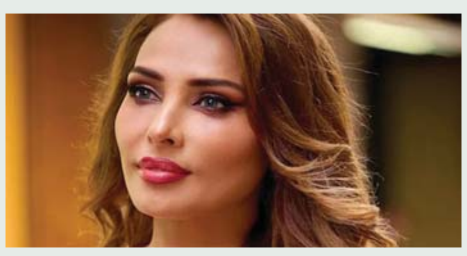

पिछले 14 वर्षों से बॉलीवुड में सक्रिय कलाकार यूलिया वंतूर ने अपने करियर का एक बेहद भावनात्मक अध्याय शुरू किया है। यूलिया ने अपने गृह देश रोमानिया और अपनी मातृभाषा में पहला गीत रिलीज़ किया है, जिसका शीर्षक 'कोलिंदे, कोरिंदे' है। यूलिया के लिए यह गीत न सिर्फ व्यक्तिगत रूप से खास है, बल्कि इसकी प्रस्तुति भी ऐतिहासिक रही। इस कैरल को पहली बार वेटिकन में पॉल षष्टम हॉल में प्रस्तुत किया गया, जहां पोप लियो चौदह की उपस्थिति में और दुनिया भर के प्रमुख आध्यात्मिक नेताओं व हजारों लोगों के सामने नोस्त्रा एताते के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य समारोह में इसका प्रदर्शन हुआ। यूलिया वंतूर के लिए यह गीत किसी सपने के सच होने जैसा है। उनका कहना है कि वे वर्षों से रोमानियाई भाषा में गाना चाहती थीं, लेकिन उनका पहला रोमानियाई गीत एक क्रिसमस कैरल होना जैसे पहले से तय था। उनके अनुसार, कैरल्स उन्हें अपने बचपन, अपने देश, अपने माता-पिता और अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। चाहे वे दुनिया के किसी भी कोने में हों, हर साल क्रिसमस पर वे अपने माता-पिता के लिए कैरल गाती हैं और वीडियो कॉल पर यह उनकी खास पारिवारिक परंपरा बन चुकी है। इन पलों में वे खुद को फिर से एक बच्ची की तरह महसूस करती हैं।

यूलिया की भारत में संगीत यात्रा भी एक रोमानियाई कैरल से ही शुरू हुई थी। चौदह साल पहले गाया गया वही कैरल बाद में भारत में 'तेरी मेरी' गीत की प्रेरणा बना और यहीं से उनके हिंदी संगीत करियर की शुरुआत हुई। इसी वजह से जब उन्हें पोप की उपस्थिति में वेटिकन में गाने का निमंत्रण मिला, तो उन्होंने अपने दिल के सबसे करीब गीत 'कोलिंदे, कोरिंदे' को चुनना सही समझा। इस गीत का म्यूज़िक वीडियो लंदन और रोमानिया में फिल्माया गया है, जिसमें यूलिया के माता-पिता भी नजर आते हैं। वीडियो में दूरी, तड़प और घर की याद को बेहद भावुक तरीके से दर्शाया गया है। गीत का संगीत और बोल रिमेनेस्कु, यूजेनिया निकोलाए और सेज़र काज़ानोई कावाल ने लिखे हैं, जबकि इसका निर्माण सी एंड पी वायरल नेशन रोमानिया ने किया है। यूलिया वंतूर के अनुसार, 'कोलिंदे, कोरिंदे' सिर्फ एक गीत नहीं, बल्कि एक एहसास है—अपने घर, अपने माता-पिता और अपने सबसे प्रिय लोगों के साथ फिर से जुड़ने की भावना।

'हीरो' ने रातोंरात स्टार बना दिया था जैकी श्रॉफ को

बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने अपने अभिनय करियर के 42 साल पूरे कर लिए हैं। फिल्म हीरो के रिलीज होते है जग्गू दादा यानि की जैकी श्रॉफ रातोंरात स्टार बन गए थे। इस बेहद खास मौके पर जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन में फिल्म का एक छोटा सा क्लिप साझा करते हुए लिखा, 'फिल्म हीरो के 42 साल पूरे।' इस पोस्ट के साथ उन्होंने अपने उस दौर को याद किया, जिसने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया था। फिल्म 'हीरो' में जैकी श्रॉफ पहली बार लीड रोल में नजर आए थे। उन्होंने फिल्म में जैकी दादा नाम के एक गैंगस्टर का किरदार निभाया था, जो पुलिस कमिश्नर की बेटी राधा, यानी मीनाक्षी शेषाद्रि का अपहरण करता है। कहानी में आगे चलकर यह किरदार प्रेम और पश्चाताप के रास्ते पर चलता है और खुद को बदल लेता है।

रोमांच, एक्शन और रोमांस से भरपूर इस फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। फिल्म में अमरीश पुरी और संजीव कुमार जैसे दिग्गज कलाकारों की मौजूदगी ने इसे और मजबूत बनाया। 'हीरो' की सफलता के बाद जैकी श्रॉफ ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने 'कर्मा', 'राम-लखन', 'खलनायक', 'सौदागर', 'बॉर्डर' और 'रंगीला' जैसी सुपरहिट फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाईं। अपनी दमदार आवाज, अनोखे स्टाइल और सहज अभिनय के दम पर उन्होंने बॉलीवुड में एक अलग मुकाम हासिल किया।

हालांकि, जब उनका स्टारडम चरम पर था, तब भी उनकी सादगी और जमीन से जुड़ा स्वभाव लोगों को खूब पसंद आया। कहा जाता है कि अपार सफलता के बावजूद जैकी श्रॉफ लंबे समय तक उसी चॉल में रहे, जहां उनका बचपन बीता था। काम के मोर्चे पर जैकी श्रॉफ जल्द ही फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आने वाले हैं। समीर विद्वांस के निर्देशन में बनी यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस और नम: पिक्चर्स के बैनर तले रिलीज होगी। फिल्म में कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे के साथ जैकी श्रॉफ और नीना गुप्ता भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के प्रमोशन में जुटे कार्तिक

अपनी आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के प्रमोशन में बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन जुटे हुए हैं। फिल्म के प्रमोशन के लिए अहमदाबाद पहुंचे कार्तिक ने काम के बीच स्वाद से भरा एक खास ब्रेक लिया। गुजरात की मशहूर मिठाइयों का आनंद लेते हुए कार्तिक दिल के आकार की जलेबी और कुरकुरे फाफड़ा खाते नजर आए। कार्तिक आर्यन ने इस खास पल की झलक अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की। वीडियो में वह दिल के शेप वाली जलेबी को दो हिस्सों में तोड़ते हैं और फिर मुस्कुराते हुए उसका स्वाद लेते दिखाई देते हैं। इसके साथ ही उन्होंने कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं, जिनमें वह मिठाई के साथ पोज़ देते हुए और फाफड़ा से सजी प्लेट दिखाते नजर आ रहे हैं। उनका यह देसी अंदाज़ फैन्स को काफी पसंद आ रहा है और पोस्ट पर जमकर लाइक्स और कमेंट्स आ रहे हैं। इस पोस्ट को कार्तिक ने खास कैप्शन के साथ शेयर किया, जिसमें उन्होंने तलविंदर के गाने 'तेनु ज़्यादा मोहब्बत कर बैठे' का जिक्र किया।

यह गाना उनकी अपकमिंग फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के साउंडट्रैक का हिस्सा है। 13 दिसंबर को रिलीज़ हुआ यह गाना प्यार के उस नाज़ुक और भावुक पहलू को दिखाता है, जिसमें मोहब्बत के साथ दर्द भी शामिल होता है। इस ट्रैक को लेकर कार्तिक पहले ही कह चुके हैं कि दिल टूटना भी 'प्यार का एक रंग' है। 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को लेकर दर्शकों में अच्छा-खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। यह फिल्म 25 दिसंबर 2025 को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी दो ऐसे लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो आत्म-खोज की अपनी-अपनी यात्राओं के दौरान एक-दूसरे से प्यार कर बैठते हैं। हालांकि, पारिवारिक दबाव और सामाजिक बंदिशें उनके रिश्ते की कड़ी परीक्षा लेती हैं। रोमांस और इमोशन से भरपूर यह फिल्म दर्शकों के लिए एक खास अनुभव लेकर आने वाली है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in